RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

पहले हर अच्छी बात का मजाक बनता है, फिर विरोध होता है और फिर उसे स्वीकार लिया जाता है।

स्वामी विवेकानंद

वर्ष-03, अंक - 39 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 01 जुलाई 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

बीस हजार से अधिक नर्सेस अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

भोपाल। जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के बाद अब वेतन बढ़ोतरी समेत अन्य मांगों को लेकर प्रदेश भर में नर्सों ने बुधवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी। हमीदिया और सुल्तानिया अस्पताल सहित प्रदेश के अन्य जगह पर नर्सेस एकत्रित होकर अपनी मांगो को लेकर नारेबाजी की। अस्पताल प्रबंधन ने हड़ताल को देखते हुए नर्सिंग स्टूडेंट और एनआरएचएम की तरफसे नर्सेस की रोस्टर बनाकर ड्यूटी लगाई। लगातार आंदोलन के बाद भी सरकार ने एसोसिएशन से कोई चर्चा नही की है।

बता दें कि, नर्सेस अपनी 12 सूत्रीय मांग को लेकर हड़ताल कर रही है, जिसमें 2004 के बाद नियुक्त हुई सभी स्टाफनर्सेस को पुरानी पेंशन लागू करने के साथ कोरोना में कार्य करने वाली नर्सेस को दो वेतन वृद्धि दी जाए। इसके अलावा कोरोना काल में अस्थाई रूप से भर्ती की गई नर्सेस को नियमित किया जाए।

दिल्ली की साइबर सेल ने ट्विटर को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। ट्विटर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में ट्विटर को नोटिस भेजा है। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की ओर से ट्विटर पर चाइल्ड पोर्नोग्राफिक कंटेंट होने की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने ट्विटर के खिलाफमामला दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने ट्विटर को नोटिस जारी कर बाल यौन शोषण सामग्री प्रसारित करने वाले खातों का विवरण मांगा है। माना जा रहा है कि, इस मामले में ट्विटर के अधिकारियों से भी पूछताछ हो सकती है।

इतनी आत्महत्या क्यों ? मानसिक तनाव या भ्रष्टाचार से तालमेल का अभाव...?

आत्महत्याओ का सिलसिला जारी पर खुलासा किसी का नही!

सीईओ राजेश बहोती।

हेड कॉन्स्टेबल सैफुद्दीन खान।

वेयर हाउस प्रबंधक विनोद सावले।

- एसआई गुलेन्द्र टेमरे।

- एएसआई भागीरथ बघेल।

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

किसी आम इंसान का उद्देश्य क्या होता है, अच्छी नौकरी... सुखी परिवार... व भविष्य के लिए अच्छा बैंक बैलेंस...। लेकिन इतना सब कुछ होने के बावजूद किसी अच्छे पद पर कार्यरत व्यक्ति अपनी जीवन लीला खुद ही समाप्त कर लेता है तो आम आदमी इतना सोचने पर विवश हो जाता है कि, अच्छे कमाने खाने वाले व्यक्ति की ऐसी क्या मजबूरी हो सकती है, क्या काम का तनाव... पारिवारिक कारण... या फिर इन दिनों शिष्टाचार का रूप धारण कर चुके भ्रष्टाचार...। जो इन दिनों सिस्टम में इतने अधिक पैर पसार चुका है कि, आदमी ईमानदार रहना चाहे तो भी सिस्टम उसे ईमानदार नहीं रहने देता है और उसे हालातों से समझौता करना ही होता है।

अभी हाल ही में खरागोन जिले के भिकनगांव की जनपद पंचायत के सीईओ का झाबुआ जिले के पेटलावद जनपद पंचायत में तबादला होने के बाद जॉइनिंग के पूर्व ही सीईओ राजेश बहोती ने अपने घर में ही आत्महत्या कर ली...। वही कुछ समय पूर्व काकनवानी में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल सैफुद्दीन खान ने थाने में ही खुद को सर्विस राइफल से गोलीमार आत्महत्या कर ली, पेटलावद में पदस्थ सहकारिता विभाग के वेयर हाउस प्रबंधक विनोद सावले ने भी पंद्रे पर झूलकर आत्महत्या कर ली, सागर जिले के बंडा थाने के एसआई गुलेन्द्र टेमरे ने पंद्रे पर झूलकर आत्महत्या कर ली तथा झकनावदा चौकी में पदस्थ एएसआई भागीरथ बघेल ने ऐसे ही आत्महत्या कर ली थी...। सरकारी व अच्छी-खासी पोस्ट पर रहकर मोटी कमाई करने वालो के भी इस तरह की आत्महत्याओ के कई मामले सामने आते ही रहते है जो चिंतनीय है। इन सभी आत्महत्याओ के मामलों में कहीं न कहीं एक बात नजर आती है कि, इतनी अच्छी नौकरी होने के बाद भी इन्होंने आत्महत्या जैसे कदम क्यों उठाया...? अगर हम इन घटनाओं को देखे तो यह लगता है इस प्रकार की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ने के बावजूद आज तक पुलिस ने एक भी प्रकरण का खुलासा नहीं किया, आखिर क्यों...?

इन सभी प्रकरणों की विवेचना करने पर एक बात यह साबित होती है कि, कहीं न कहीं अपने आपको हालातों के अनुरूप नहीं ढाल पाए। प्रशासनिक और पुलिस विभाग के अंदर के हालातों की जानकारी रखने वालों (नाम न बताने की शर्त पर) के अनुसार वर्तमान में भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार बन चुका है और यह सर्वसाधारण को विदित भी है कि, पुलिस विभाग में तो सिपाही तक के लिफाफे फिक्स रहते है और हां व्यक्ति को उसके पद के अनुसार अवैध कारोबारियों से लिफाफे मिलना तय रहता है।

यही हालत प्रशासनिक अधिकारियों का भी रहता है उन्हें भी अपने वेतन के अलावा अपने पद के अनुसार तय मासिक रकम मिलती ही रहती है और कई बार वे उनकी अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाते हैं जिससे वह मानसिक तनाव में आ जाते हैं। वहीं कुछ अपने वरिष्ठ अधिकारियों की आकांक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते हैं, जिससे वे अवसाद में आ जाते हैं। कई बार वरिष्ठ अधिकारी अपने कनिष्ठों से कुछ गलत कार्य करवा लेते हैं और मलाई खुद खा जाते हैं, वही जब जांच की बारी आती है तो कनिष्ठों को मोहरा बना दिया जाता है, उसमें भी कई लोग तनावग्रस्त हो जाते हैं। इस पूरे घटनाक्रम में जो मानसिक रूप से मजबूत होते हैं वे तो तनाव सहन कर जाते हैं, लेकिन कुछ लोग इस तनाव को सहन नहीं कर पाते और वे आत्महत्या जैसा गलत रास्ता चुन लेते हैं।

वही एक अन्य कारण यह भी सामने आया है कि, लगभग सभी विभागों में रिक्त पदों की भरमार है और कई व्यक्तियों के पास एक से ज्यादा पदों का प्रभार है या कार्य करना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए चौकी में 10 पद स्वीकृत है और वहां 4 से 5 व्यक्ति ही पदस्थ है तो, ऐसे में 5 कर्मचारी को 10 कर्मचारियो का कार्य करना पड़ रहा है, जिससे वे अत्यधिक कार्य की वजह से तनावग्रस्त हो जाते हैं।

पिछले कुछ दिनों में हुई इन आत्महत्याओं में एक का भी खुलासा न होना कहीं न कहीं इस प्रकार की घटनाओं को बढ़ावा ही दे रहा है। बेहतर होगा की किसी भी घटना की बारीकी से जांच हो तथा तय समय में उसका खुलासा किया जाए। जिसमें अन्य घटनाओं पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़े और जनता के सामने दूध का दूध और पानी का पानी हो। क्योंकि जीवन अनमोल है और हर कोई महज छोटी सी बात को लेकर इस अनमोल जीवन को खत्म नहीं कर सकता है और अगर कोई अपनी जीवन लीला खुद ही समाप्त करने जैसा कदम उठाता है तो उसका कारण जानना आवश्यक रहता है।

एससी का आदेश, कोरोना से मौत पर परिजनों को मिलेगा मुआवजा, सरकार तय करे राशि

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वालो के परिजनों को मुआवजा देने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि, कोरोना से मरने वालों के परिजनों को मुआवजा मिलना चाहिए। हालांकि यह राशि कितनी होगी, इसका निर्धारण केंद्र सरकार ही करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया कि, वह कोविड-19 के कारण मरने वालों के परिवारों को अनुग्रह राशि का भुगतान करने के लिए 6 सप्ताह के भीतर दिशा-निर्देश जारी करे। याचिका में चार लाख रुपए की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि, कोरोना से मरने वालों के परिजनों को ऐसी कोई अनुग्रह राशि नहीं दी जा सकती है।

भयावहः पिता ने ही आइसक्रीम में बच्चों को दिया जहर, दो लड़ रहे जिंदगी और मौत की जंग, एक की हुई मौत

मुंबई। मुंबई के मानखुर्द से एक दिल दहला देने वाली भयावह घटना सामने आई है, जिससे रिश्तों से ही भरोसा उठ जाए। एक पिता का साया बच्चों के लिए महत्वपुर्ण होता है। वहीं मुंबई में एक पिता ने अपने तीन मासूम बच्चों को आइसक्रीम में चूहे मारने वाला जहर मिलाकर मारने की कोशिश की। जिसमें एक 5 वर्ष के बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो बच्चें एक 7 वर्ष और एक 2 वर्ष को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुंबई की मानखुर्द पुलिस ने बच्चों की माँ की शिकायत पर आरोपी पिता के खिलाफहत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। वारदात के बाद से आरोपी पिता फरार है।

पुलिस के अनुसार, पारिवारिक झगड़े के चलते नाराज पिता मोहम्मद अली ने अपने तीनों बच्चों को आइसक्रीम में चूहा मारने वाला जहर मिलाकर दिया। इस घटना में 5 वर्ष के अलिशान अंसारी की मौत हो गई है, जबकि 7 वर्षिय अलीना और 2 वर्षिय अरमान गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं, जहां दोनों जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं।

पुलिस के लोकार्पण कार्यक्रम के मंच पर राजनीतिक रस्सा-कसी

विधायक भूरिया ने कहा जिले में कानून व्यवस्था ठीक नही, गृहमंत्री बोले आपकी जानकारी ठीक नही

जिला व पुलिस प्रशासन के पढ़े गए कसीदे

माही की गूंज, झाबुआ।

किसी शुभ कार्य के अवसर पर अगर जूतम पैजार हो जाए तो तस्वीरें बदल जाती है। ऐसे में कार्यक्रम का उद्देश्य और दिशा बदल जाती है। कुछ ऐसा ही देखने को मिला बुधवार को। मौका था झाबुआ के डीआरपी लाइन में नए बने पुलिस के 64 आवासीय गृहों व जिले की विभिन्न 6 पुलिस चौकियों के लोकार्पण का। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा यहां पहुंचे थे। मुख्य कार्यक्रम के मंच से विपक्ष के झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया ने अपनी आदत के अनुसार जुमलेबाजी करते हुए एक तीर छोड़ दिया। बस फिर क्या था, मंच पर बैठे भाजपाईयों ने भूरिया पर पलटवार करते हुए बयानों के जरीए इतने छेद किए कि भूरिया कंफ्यूज हो गए कि सांस कहां ले... !

मंगलवार की देर शाम को प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नारोत्तम मिश्रा का झाबुआ दौरा तय हुआ और बुधवार को वे हेलीकाप्टर लेकर झाबुआ आ गए। अचानक हुए इस दौरे से चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। मिश्रा ने पहले सर्किट हाऊस पर पुलिस अधिकारियों से चर्चा की। इस बैठक में भोपाल-इंदौर के पुलिस अधिकारियों के साथ मुख्य रूप से झाबुआ व आलीराजपुर एसपी मौजूद रहे।

इसी दौरान सर्किट हाऊस में गृहमंत्री से मिलने आई एक महिला ने आवेदन देते आत्महत्या करने की चेतावनी दे डाली। महिला का आरोप था कि भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक ने उनका यौन शौषण किया है। पिछले चार महीनों वह कार्रवाई की मांग को लेकर इधर-उधर भटक रही है, लेकिन उसकी किसी तरह की सुनवाई नहीं हो रही। महिला ने गृहमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि अब वह दो दिन का समय दे रही है। अगर दो दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो जिला मुख्यालय पर भाजपा कार्यालय के सामने वह अपने दो बच्चों व पति के साथ आत्महत्या कर लेगी। इस पर मीडिया से चर्चा करते गृहमंत्री ने कहा कि चार माह पुराना मामला है किंतु मेरी जानकारी में आज ही आया है। महिला के आवेदन पर जांच करवाई जाएगी। जिलाध्यक्ष नायक का कहना है कि राजनीतिक षड़यंत्र के तहत उन पर आरोप लगाया जा रहा है।

यहां से गृह मंत्री मिश्रा मुख्य आयोजन स्थल डीआरपी लाइन में 64 पुलिस आवास व जिले की 6 पुलिस चौकियों के भवनों का वर्चुअल लोकार्पण करने पहुंचे। यहां मंच पर झाबुआ के कांग्रेसी विधायक कांतिलाल भूरिया भी मौजूद थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने दिया। इस दौरान पुलिस महानिदेशक विवेक जोहरी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अशोक अवस्थी, इंदौर झोन पुलिस महानिरीक्षक हरिनारायणाचारी मिश्र, उप पुलिस महानिरीक्षक ग्रामीण रेंज चंद्रशेखर सौलंकी, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा।

भूरिया को शुरूआत में ही मंच से बोलने का मौका मिल गया। बस फिर क्या था, अपने जाने माने अंदाज में भूरिया पुलिसिया कार्यप्रणाली की बखिया उधेड़ने लगे। देखते ही देखते लोकार्पण आयोजन का यह मंच राजनीतिक रस्साकसी का शिकार हो गया। भूरिया ने अपने भाषण में यह तक कह दिया कि जिले के थाने खाली पड़े है। कई थानों पर टीआई नहीं है। थाने के अन्य कर्मचारी थाना संभाल रहे है। थाने चौकियों पर आवेदन लेकर पहुंचने वालों की सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस का खौफ अपराधियों में नहीं बचा है और लगातार अपराध हो रहे है। कोरोना काल में आम लोगों का बहुत नुकसान हुआ है। रोजगार के भी लाले पड़ गए है। अब तीसरी लहर आने से पहले सरकार को पुख्ता तैयारियां करना चाहिए।

भूरिया के आरोपों से हुए छेद के बाद मंच पर उपस्थित गृहमंत्री, मंत्री और सांसद ने राउंड टू राउंड निशाना साधना शुरू किया। भूरिया पर पलटवार करते हुए इतने छेद किए कि वह कन्फ्यूज हो गए कि सांस कहां से ले....। भूरिया के बाद भाषण देने आए सांसद गुमानसिंह डामोर ने पलट वार करते हुए कहा कि कहा कि पुलिस बहुत अच्छा काम कर रही है। अपराधों में कमी आ गई हैं। पेटलावद में चोरी हुआ सोना पकड़ने के लिए एसपी आशुतोष गुप्ता ने तीन दिन का उनसे समय मांगा था और दो दिन में ही चोरों को पकड़ लिया। सांसद ने बरझर व पिटोल में पुलिस चौकी खोलने की मांग भी मंच से रखी। जिले के कोविड प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग भी अपने भाषण में प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस प्रशासन के कसीदे पढ़ते नजर आए। इस सारी राजनीतिक रस्साकसी में कोई फायदे में रहा तो वह थे जिले के आला प्रशासनिक अधिकारी, जो इस खींच-तान में मन ही मन मुस्का रहे थे। क्योंकि इन सारे घटनाक्रम में हो तो उनकी ही तारीफ रही थी।

गृहमंत्री ने अपने उद्बोधन में टांट कसते हुए भूरिया पर निशाना साधा और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने वरिष्ठ होने के बावजूद भूरिया को मंत्री नहीं बनाकर उनकी उपेक्षा की है। गृहमंत्री मिश्रा ने कहा कि भूरिया पुलिस के खौफ की बात कर रहे थे, लेकिन हम पुलिस का विश्वास मजबूत करने पर जोर देते रहे है। उन्होने कहा कि भूरिया को सही जानकारी नहीं रहती है। जिले में एक भी थाना खाली नहीं है। अपराध में भी बहुत कमी आई है। कोरोना में सबसे पहले झाबुआ ही शुन्य पर पहुंचा था। यहां उस दौरान भी अच्छा कार्य हुआ है। तीसरी लहर के लिए हम तैयार है, किसी को परेशानी नहीं होगी। उन्होने भूरिया से कहा कि जिसने भी उन्हे गलत जानकारी दी है, उसे वे जाकर जरूर फटकार लगाए।

फीता काटकर भवन का शुभारंभ करते विधायक, सांसद व मंत्रीगण।

प्रेमिका का शादी के लिए था दबाव, प्रेमी ने प्रेमिका के साथ परिवार के पांच को उतार दिया मौत के घाट

प्रेमिका ने अपने प्रेम के आपत्तिजनक पोस्ट प्रेमी की मंगेतर पर की थी जो हत्यारे प्रेमी को नहीं आया रास, पुलिस ने सात को किया गिरफ्तार

देवास/नेमावर। नेमावर में आदिवासी परिवार के सदस्यों के नरसंहार हत्याकांड को 13 मई की रात में अंजाम दे दिया था। हत्या की वजह आपसी प्रेम के बाद शादी के लिए दबाव डालना बना। रूपाली मुख्य आरोपी सुरेंद्र राजपूत पर अपने आपसी प्रेम के साथ शादी के लिए दबाव डाल रही थी। हत्याकांड से कुछ दिन पहले उसने प्रेमी सुरेंद्र की मंगेतर पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की थी, जिसके बाद सुरेंद्र ने जघन्य हत्या की साजिश रच ली थी।

पोस्ट से नाराज प्रेमी सुरेंद्र ने रूपाली को पहले खेत पर शादी के लिए बुलाया और हत्या कर दी। जिसके बाद उसी की स्कूटी से रूपाली की मां और बहनों को लाकर मार डाला। सभी को लोहे की रॉड से मारने के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी। मामला छिपाने के लिए खेत में जेसीबी से 10 से 12 फीट गड्?ढा खोदकर गाढ़ दिया गया। हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र के साथ सात आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी हत्यारे सुरेंद्र ने प्रेमिका का मोबाईल लेकर पुराने फोटो स्टेटस पर डालता रहा, वही कई दिनो से लापता पांचो की तलाश पुलिस कर रही थी कि पुलिस को सुराग मिलने पर सुरेंद्र व उन्य आरोपियों तक पहुंची और शवों को खगाला तो वह कंकाल बन चुके थे।

यह हुआ था उस रात

देवास एसपी शिवदयाल सिंह ने मीडिया को बताया कि, घर में ममता बाई (45) अपनी बेटी रूपाली (21), दिव्या (14) के साथ रह रही थी। पीथमपुर से ममता बाई की भतीजी नीतू की बेटी पूजा (15) और पवन (14) भी आए हुए थे, 13 मई की रात सुरेंद्र ने रूपाली को शादी के संबंध में अपने खेत पर बुलाया था। वह अपनी स्कूटी से खेत पर आई। यहां उसकी लोहे की रॉड से मार-मारकर हत्या कर दी और शव गाढ़ दिया। इसके बाद सुरेंद्र का भाई स्कूटी लेकर रूपाली के घर गया और उसकी मां और बहन दिव्या को ले आया, दोनों के साथ आरोपियों ने ऐसा वार कर मौत के घाट उतार दिया। मामला सामने न आए, इसलिए उन्होंने पूजा और पवन को भी खेत पर लाकर हत्या कर दी। पांचों शवों को जेसीबी से गड्ढा खोदकर गाढ़ दिया।

राजनीति सेवा की या श्रेय की ?

माही की गूंज, खवासा।

राजनीति में सेवा ही मूल मंत्र समझा जाता था, कोई भी व्यक्ति राजनीति में कदम रखता था तो उसका मूल उद्देश्य जनसेवा होना था और कुछ ऐसी ही कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने की थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसमें सेवा का स्थान श्रेय ने और निजी स्वार्थ में लिया है। सोशल मीडिया के इस दौर में हालात यहां तक हो गए हैं कि, किसी महापुरुष की जयंती पर राजनीतिक दलों द्वारा मरीज को एक केला 10 व्यक्ति को देते हुए 50 फोटो वायरल होते हैं, कहने का तात्पर्य काम कम और दिखावा ज्यादा होता है।

वर्तमान में झाबुआ जिले की स्थिति थोड़ी अलग है यहां तीनों विधायक कांग्रेस के हैं जबकि सांसद व प्रदेश सरकार भाजपा की है, ऐसे में कई बार एक ही कार्य के दो-दो बार भूमि पूजन या शिलान्यास हो जाते हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता विकास कार्यों को विधायक की पहल बतलाकर श्रेय लेने का प्रयास करते हैं, जबकि उसी कार्य को भाजपा के लोग प्रदेश सरकार और सांसद की पहल बतलाते हैं। कुछ ऐसा ही मामला विगत दिनों खवासा में देखने को मिला, जब एक ही कार्य का श्रेय लेने के लिए कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग दावे किए। लेकिन सांप के निकल जाने के बाद दोनों ही दल हवा में लठ चलाकर सांप को मारने का श्रेय लेने का झूठा दावा कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं और लोग कह रहे हैं कि, यह पब्लिक है सब जानती है...।

मामला खवासा पंचायत का है, यहां बारहमासी जल संकट रहता है और जल संकट को लेकर यहां कहा जाता है कि, बरसते पानी में भी यहां पीने का पानी नहीं मिलता है और 8 दिनों में नल आते हैं, यह अंतराल गर्मियों में 20 से 25 दिन का हो जाता है वह भी तब जबकि खवासा में नल-जल योजना के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जा चुके हैं। यहां के नुमाइंदे इस समस्या का हल करना ही नहीं चाहते हैं, अगर समस्या खत्म हो गई तो उनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। प्रतिवर्ष गर्मी की शुरुआत में पेयजल के नाम पर योजना बनाकर शासन को भेजी जाती है और शासन स्तर से नलकूप या कूप खनन की परमिशन मिलने तक जून महीना आ जाता है और जून माह के बाद बारिश की शुरूआत के साथ ही जल संकट कम हो जाता है और लोगों का इस और कोई ध्यान नहीं रहता है, सभी अपने काम-धंधे में व्यस्त हो जाते हैं। यह क्रम पिछले कुछ वर्षों से जारी है और इस वर्ष भी जल संकट से निजात के लिए यहां नलकूप खनन की स्वीकृति मिली और पिछले दिनों श्री कृष्ण मंदिर के सामने एक नलकूप लगाया गया और संयोग से उसमें पानी निकल आया, उसके बाद तो दोनों ही दलों में श्रेय लेने की होड़ मच गई। एक और कांग्रेस ने इसे विधायक का प्रयास बतलाकर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी, वहीं दूसरी ओर भाजपा ने इसे सांसद का प्रयास बतलाकर कांग्रेस की प्रेस विज्ञप्ति का खंडन किया।

इसको लेकर आम जनता में यही प्रतिक्रिया सामने आई है कि, जल संकट को लेकर ये नेता इतने सक्रिय है तो यह गर्मी में कहां गए थे, जब 20 से 25 दिनों में नल आ रहे थे और लोगों को लॉकडाउन तथा कोरोना कर्फ्यू में भी पीने के पानी के लिए मशक्कत करना पड़ रही थी। अभी केवल नलकूप में पानी आया है पूरे गांव का जल संकट हल नहीं हुआ है, अगर यह नेता जल संकट को लेकर इतने संवेदनशील है तो इस जल संकट का स्थाई समाधान क्यों नहीं करवा देते? दोनों ही दल केवल आम जनता को श्रेय की राजनिति कर वास्तविक समस्या का हल न करवाते हुए केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं... विकास कार्यों का श्रेय किसे देना है यह जनता समय आने पर तय कर देगी।

बैंके अंदर होने वाली लूट या चोरी का कौन जिम्मेदार...?

सिक्यूरिटी गार्ड, कैमरे, तमाम सुरक्षा के इंतजाम को धत्ता बताकर बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

मंगलवार को जिला सहकारी क्रेंदीय बैंक में हुए एक घटना क्रम ने बैंक के सुरक्षा इंतजामों पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। जिससे बैंक के ग्राहकों के मन में भी अपनी जमा पूंजी की सुरक्षा को लेकर शंकाएं उभरने लगी है। बैंक के अंदर से 13 लाख से अधिक की राशि पर बदमाशों का यूं हाथ साफ करना कई शंकाओं को जन्म भी दे रहा है। विडंबना यह कि बैंक में सुरक्षा कर्मी, सीसीटीवी कैमरे और तमाम सुरक्षा के इंतजाम होने के बावजूद घटना को रोका नहीं जा सका। बैंक जैसी जगह पर इतनी अधिक असंवेदनशीलता और लापरवाही कहां तक वाजिब ठहराई जा सकती है।

घटना कुछ इस तरह की है कि झाबुआ के कॉलेज मार्ग स्थित पीलीकोठी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से मंगलवार को अज्ञात बदमाश 13 लाख 10 हजार से भरा बैग लेकर रफुचक्कर हो गए। बताया जा रहा है कि देवझिरी सोसायटी के कर्मचारी राशि से भरा बैग लेकर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में जमा करने के लिए आए थे। कर्मचारी रूपयों से भरा बैग काउंटर पर रखकर जमा पर्ची भर रहे थे, तभी कर्मचारियों का ध्यान भटकते ही अज्ञात बदमाश बैग उठाकर रवाना हो गए। तीन से चार लोगों के इसमें शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज देखा तो पता चला कि बदमाश बैंक से निकले और राजवाड़ा से एक ऑटो किराए पर लेकर उसमें बैठ गए। यह बदमाश यहां से निकलने के बाद जिला अस्पताल के सामने पहुंचकर ऑटो से उतर गए। पुलिस ने ऑटो चालक को पकड़कर पूछताछ की लेकिन कोई खास जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाई।

सवालों के घेरे में बैंक की सुरक्षा व्यवस्था

देखा जाए तो बैंकों को एक बहुत ही सुरक्षित जगह माना जाता है। लाखों, करोड़ों के रोजाना लेन-देन के मद्देनजर यहां की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होती है। लगभग हर बैंक के हर कमरे या चेंबर में सीसीटीवी कैमरे लए हुए होते है। बैंक के बाहर भी लगभग हर दिशा व आने - जाने वाले रास्ते पर भी सीसीटीवी कैमरे लगे रहते है। बैंक के अंदर व बाहर बंदूक धारी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती होती है। इसके अलावा हर बैंकों में अलार्म की भी व्यवस्था अनिवार्य रूप से होती ही है। इन सब के बावजूद भी अगर बैंक के अंदर से लूट या चोरी हो जाए तो बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लाजमी है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में हुई उक्त घटना ने बैंक के सुरक्षा व्यवस्था के ढचरे की पोल खोलकर रख दी है। इतनी बड़ी रकम पर हाथ साफ कर बैंक से इतनी आसानी से निकल जाना आश्चर्यचकित करने वाला तो है ही साथ ही कई शंकाओं को जन्म देने वाला भी है। बैंक से इतनी बड़ी रकम लेकर बदमाश इतनी आसानी से निकल जाते है और किसी भनक तक नहीं लगती। बैंक का कोई भी सुरक्षा इंतजाम इस घटना को रोक पाने में नाकाम ही साबित हुआ है।

कहीं यह कोई सोची-समझी साजिश तो नहीं

सवाल तो यहां भी उठते है

देवझिरी सोसायटी के जो कर्मचारी बैंक में 13 लाख से अधिक की रकम जमा करने आए थे क्या वे इतनी बड़ी रकम को लेकर इतने लापरवा थे कि जमा पर्ची भरते समय नोटो से भरा बैग काउंटर पर रख दिया और पर्ची भरने में इतने मशगूल हो गए कि उन्हे यह पता ही नहीं चला कि नोटो से भरा बैग गायब हो चुका है। सवाल यह भी उठता है कि कर्मचारियों को पर्ची भरने में कितना वक्त लगा होगा कि इस बीच उनका ध्यान नोटो से भरे बैग की तरफ नहीं गया। पर्ची भरने से लेकर वापस बैग पर ध्यान जाने तक क्या इतना वक्त निकल गया था कि बदमाश बैंक से पैदल निकलकर राजवाड़ा पहुंच गया। सवाल यह भी कि किसे मालूम था कि बैग में लाखों रूपए भरे है। क्या सोसायटी के कर्मचारी की रैकी कर घटना को अंजाम दिया गया। कुल मिलाकर बात इतनी सी है कि लापरवाही तो हुई ही है। चाहे वह सोसायटी के कमचारी से हुई या बैंक के सुरक्षा इंतजामों पर निगरानी करने वालों से।

ऐसा होने की संभावनाएं भी

ऐसा नहीं है कि यह जिले में घटने वाली पहली घटना है। इससे पहले भी पिछले वर्षों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। इस तरह की कुछ घटनाओं में बैंक से आहरण करने वालों की रैकी कर घटना को अंजाम दिया गया। मगर कुछ ऐसी भी घटनाएं हुई जिसमें सोची-समझी साजिश के तहत पैसा जमा करने वाला या कर्मचारी संलिप्त पाए गए। पिछले सालों में कुछ फायनेंस कंपनियों के एजेंटों ने भी सोची-समझी साजिश के तहत अपने साथ लूट की घटना का चक्रव्यूह रचा था। पुलिस ने मामले जांच में लिए और सख्ती से पूछताछ में यह सामने आया कि खुद अपनी ही लूट की साजिश रची गई। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में हुए घटना क्रम में हम इस तरह का कोई दावा नहीं करते मगर यह जांच का विषय तो है ही।

लाठी तो पीटना ही पड़ती है

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में हुए उक्त घटनाक्रम के बाद हर कोई लाठी पीटता नजर आ रहा है। जिसमें बैंक सबसे अधिक, उसके बाद रकम जमा करने आए सोसायटी के कर्मचारी और पुलिस। देवझिरी सोसायटी के मैनेजर भारतसिंह हाड़ा द्वारा समाचार पत्रों को दिए वक्तव्य में बताया गया कि यह राशि किसानों से वसूली गई थी। सोसायटी के कर्मचारी इस राशि को बैंक में जमा करने के लिए गए थे। पुलिस बैंक और बाजारों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई, बदमाशों को पहचानने की कोशिश की जा रही है। कुल मिलाकर सांप निकल चुका है और अब लाठी पीटी जा रही है। अब सांप को उसके बिल से निकालने में कितना समय और मशक्कत लगेगी यह तो समय ही बताएगा।

खवासा नवीन चौकी भवन का हुआ लोकार्पण

माही की गूंज, खवासा। झाबुआ के दौरे पर आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए झाबुआ आए गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने नवनिर्मित खवासा चौकी भवन का वर्चुअल लोकार्पण किया।

खवासा नवनिर्मित चौकी भवन के लोकार्पण हेतु स्थानीय पुलिस ने साढ़े 10 बजे का लोकार्पण होने का आमंत्रण मौखिक रूप से गणमान्य नागरिक, पत्रकार, जनप्रतिनिधि व राजनीतिक पार्टी सदस्यों को दिया, लेकिन तय समय सीमा से 2 घंटे 17 मिनट की देरी से 1 बजकर 47 मिनट पर लोकार्पण मान्य मंत्री जी द्वारा किया गया, लेकिन उसी दौरान वर्चुअल प्रोजेक्ट की तकनीकी खराबी के कारण प्रोजेक्ट स्क्रीन पर लोकार्पण का लाइव देखने को नहीं मिला। वही इस मौके पर स्थानीय स्तर पर सरपंच रमेश बारिया व स्थानीय चौकी प्रभारी श्री गणावा ने सभी की उपस्थिति में श्रीफल वदेरने के साथ रिबिन काटकर लोकार्पण किया गया।

उक्त नवनिर्मित चौकी भवन में चौकी प्रभारी कक्ष, रिकॉर्ड कक्ष, हवालात कक्ष, मालखाना कक्ष, विश्रामगृह कक्ष के साथ शौचालय की सर्वोच्च सुविधा के साथ भवन का निर्माण किया गया है। आयोजन में मुख्य रूप से थांदला थाने के टीआई एवं स्टाफके साथ खवासा भाजपा मंडल अध्यक्ष तोलसिंग गणावा, थांदला जनपद उपाध्यक्ष राजेंद्र पाटीदार, कमल चावड़ा, रामसिंह पालरा, कांग्रेस के किसान मोर्चा के अध्यक्ष नंदलाल मैण, हीरालाल पटेल, कमलेश पाटीदार आदि ग्राम के गणमान्य नागरिक के साथ स्थानीय पत्रकार उपस्थित थे।

विहिप धर्म प्रसार की विषेष बैठक संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ। विश्व हिन्दू परिषद् धर्म प्रसार की जिला बैठक रविवार को स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ पर आयोजित हुई। बैठक में अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद् के प्रांत मंत्री सोहन विश्वकर्मा उपस्थित थे। उन्होने बैठक लेते हुए संगठन के धर्म प्रसार विभाग द्वारा किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाकर रूपरेखा तय की गई। विशेष तौर पर जिले के गांव-गांव में जाकर कोरोना महामारी से रोकथाम हेतु जन जागरण तथा आदिवासी समाज को वैक्सीन लगवाने हेतु प्रेरित करने के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देकर उन्हें इसके लिए अपने-अपने क्षेत्र की जिम्मेदारी भी सौंपी।

आजाद अध्यापक संघ 4 जुलाई को विधायकों और सांसद को सौंपेगा ज्ञापन

- मुख्य रूप से 5 सूत्रीय मांगे रखी जाएगी

माही की गूंज, झाबुआ।

आजाद अध्यापक संघ की प्रदेश शिल्पी शिवान के नेतृत्व में 4 जुलाई, रविवार को आजाद अध्यापक संघ जिला इकाई झाबुआ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अलग-अलग क्षेत्रों में विधायकों तथा सांसद को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

आजाद अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष पप्पूसिंह हटिला ने बताया कि अध्यापक संघ की मुख्य 5 मांगों में वर्ष 2020 तथा 2021 से वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी गई है, जिसके आदेश जल्द ही जारी कर समस्त कर्मचारी जगत को इसका लाभ दिलवाने, मृत अध्यापकों के परिवारजजों को शीघ्र अनुकंपा नियुक्ति दी जाने, 7 वें वेतनमान एरियर भुगतान के आदेश जारी किए जाने, 12 वर्ष पूर्ण करने वाले अध्यापकों के क्रमोन्नित आदेश जारी करने तथा 5 प्रतिशत बकाया महंगाई भत्ते के आदेश जल्द ही जारी किए जाने आदि मांगे सम्मिलित है। हटिला ने चेतावनी स्वरूप कहा कि यदि ज्ञापनों के बाद भी सरकार द्वारा इन मांगों का निराकरण नहीं किया जाता है, तो संगठन अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को भी बाध्य होगा।

हाथीपावा पर अनैतिक गतिविधियों पर कार्रवाई की मांग

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को सौंपा गया ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर से सटे हाथीपावा पर झूला-चकरी स्थल पर पिछले माह से चल रही अनैतिक गतिविधियों और कृत्यों को लेकर तथा खुलेआम धारा 144 और कोविड के नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को दोपहर इस संबंध में हिन्दू संगठनों और सर्व हिन्दू समाज की ओर से जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन एडीएम जुवानसिंह बघेल तथा एसपी के नाम के नाम ज्ञापन एएसपी आनंदसिंह वास्कले को सौंपा गया।

विश्व हिन्दू परिषद् के नगर अध्यक्ष हिमांशु त्रिवेदी, रोटरी क्लब 'मेन' अध्यक्ष मनोज अरोरा, बजरंग सेना के पूर्व जिलाध्यक्ष मयूर पंवार, विहिप धर्म प्रसार के जिला मंत्री राजूभाई निनामा, जिला उपाध्यक्ष जोगाभाई सिंगाड़, युवा धमेन्द्रसिंह सोलंकी, स्वीट गोस्वामी, अभिमन्यू मेहरोनी आदि ने ज्ञापन में बताया कि झाबुआ का हाथीपावा, जिसे तत्कालीन पुलिस अधीक्षक महेशचन्द्र जैन द्वारा रमणीय तथा पर्यटन स्थल के रूप में तब्दील किया गया। यह स्थल जिले के आदिवासी संत खुमसिंह महराज की कर्म भूमि के नाम से भी पहचाना जाता है। यहां पिछले मई माह से झूला-चकरी स्थल पर कुछ अनैतिक गतिवधियों, कृत्यों के साथ कोविड के नियमों का उल्लंघन जैसे कार्य किए जा रहे है। जिसमें यहां पदस्थ वन विभाग के डिप्टी रेंजर और कुछ पुलिस कर्मियों की भी मिलीभगत है। भविष्य में यहां किसी प्रकार की कोई घटना ना हो, इस हेतु ज्ञापन में ऐसा करने वाले लोगों के खिलाफकार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन बाद इस मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दोनों वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से दिया गया।

आज होगा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

डॉक्टरर्स डे पर चिकित्सकों तथा कोरोनाकाल में रक्तदान करने वाले वीरों का होगा सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ।

रोटरी इंटरनेशनल के निर्देशानुसार 1 जुलाई को रोटरी क्लब के नए सत्र के शुभारंभ अवसर पर नगर के वरिष्ठ तथा सेवाभावी चिकित्सको तथा कोरोनाकाल में रक्तदान करने वाले वीर रक्तदाताओं का सम्मान किया जाएगा।

रोटरी के वरिष्ठ ब्लड डोनेशन के चेयरमेन यशवंत भंडारी ने बताया कि विगत 2 वर्षों से पुरा देश इस कोरोना महामारी के प्रकोप को झेल रहा है। जिसमें कई परिवारों के सदस्यों की मौत इस भयानक संक्रमण के कारण हुई है। वहीं कई जाबाज कोरोना फायइट के रूप में सामने आए है जिन्होने कोरोना संक्रमण को मात दी है। ऐसे में कोरोनाकाल में रक्तदान एक महादान के समान सामने आया है। जिसमें 1 जूलाई को जिला चिकित्सालय झाबुआ के पिछे ट्रामा सेन्टर के प्रथम तल पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। साथ ही उन सभी रक्तदाताओं जिन्होने कोरोना संक्रमणकाल में अपने रक्तदान करते हुए कई लोगों की जान बचाई और अपना कर्त्तव्य समझते हुए रक्तदान किया। ऐसे वीरों का रोटरी क्लब संस्था द्वारा सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

रोटरी क्लब के तत्वाधान में रक्तदान शिविर के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद गुमानसिंह डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, मुख्य चिकित्सा तथा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपालसिंह ठाकुर रहेंगे। वही रोटेरी क्लब संस्था के रोटरी सदन ट्रस्टी नुरूद्दीन भाई पिटोल वाला, दिनेशजी सक्सेना, चेयरमेन रोटरी ईमेज उमंगजी सक्सेना, रोटरी ज्वाईट सेक्रेटरी अमितसिंह जादौन, असिस्टेन्ट गवर्नर संजयजी कांठी, कर सलाहकार परिषद् अध्यक्ष रोटरी प्रमोदजी भंडारी, सीएआईटी अध्यक्ष मुकेशजी जैन, पूर्व अध्यक्ष जैन सोश्यल ग्रुप मेन भूपेन्द्रजी बाबेल, जिलाध्यक्ष केमिस्ट एसोसिएशन मनोजजी बाबेल, जैन फेडरेशन अध्यक्ष मनोजजी मेहता, रोटरी क्लब आजाद संस्थापक अध्यक्ष संतोष प्रधान, रोटरी क्लब मेन अध्यक्ष मनोज अरोरा, रोटरी क्लब मेन सचिव कोर्तिक नीमा, रोटरी क्लब आजाद अध्यक्ष देवेन्द्र पटेल, रोटरी क्लब आजाद सचिव रविन्द्रसिंह सिसौदिया, रोट्रक्ट क्लब अध्यक्ष रिंकु रूनवाल, रोट्रक्ट क्लब सचिव राकेश पोद्दार, इनरव्हील क्लब अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा संघवी एवं समस्त रोटरी क्लब मेन एवं आजाद झाबुआ के विशेष आतिथ्य मे संम्पन्न होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटेरीयन चेरयमेन ब्लड डोनेशन कमेटी मण्डल यशवंत भंडारी द्वारा किया जाएगा।

डाक्टर डे पर सम्मानित होंगे चिकित्सक

1 जूलाई को डॉक्टर डे के सुनहरे अवसर पर रोटरी क्लब मेन तथा रोटरी क्लब आजाद द्वारा कोरोनाकाल में अपनी निरूस्वार्थ सेवा देते हुए जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा। विगत दो वर्षों से जिला चिकित्सालय में कोरोना संक्रमण के मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ती गई। जिस पर से दिन रात हमारे फ्रंट लाईन वर्कर की तरह चिकित्सकों ने दिन रात कोरोना संक्रमण से लड़ने तथा मरीजों को ठिक करने में अपना स्वर्णिम समय दिया। वही चिकित्सकों के द्वारा प्रत्येक व्यक्ति जो कोरोना संक्रमण से ग्रसित हुआ उसका उपचार कर उसका इस संक्रमण से लड़ने का हौसला भी बढ़ाया।

रक्तदान करने वाले वीरो का होगा सम्मान

रोट्रक्ट क्लब सचिव राकेश पोद्दार ने बताया कि ऐसे कुछ वीरों का सम्मान रोटरी क्लब संस्था द्वारा किया जाएगा। जिनमें रक्तदानकर्ता लोमेश गुप्ता, लोचन गुप्ता, पराग रूनवाल, विजय पाठक, शाहरूख बागवान, सलमान बागवान, सुनिल निनामा, राज थापा, गौरवजी सक्सेना को सम्मानित किया जाएगा।

वैक्सीनेशन महा अभियान में लक्ष्य 18300 और लगाया 17750

97 प्रतिशत तक हुआ जिले में टीकाकरण

माही की गूंज,झाबुआ। जिले में 28 जून से वैक्सीनेशन महा अभियान शासन के निर्देश पर किया गया। जिले में 175 सेशन साईट पर 350 सत्र में वैक्सीनेशन का कार्य किया गया। वैक्सीनेशन सेंटर को बेहतरीन तरिके से सजाया गया तथा ग्राम छापरी में टीकाकरण करने आए लोगों को स्वल्पाहार करवा कर बिदा किया गया। अन्य स्थानों पर टीकाकरण करवाने आए लोगों को चिक्की तथा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। जिले में खाटला बैठक तथा धार्मिक गुरूओं द्वारा जो संदेश प्रसारित किए गए थे तथा उनके द्वारा समाज के लोगों को जागरूक करने का परिणाम व जन प्रतिनिधि द्वारा अपना अहम योगदान निरंतर बनाए रखने के कारण 28 जून को जिले में 18300 का वैक्सीनेशन करने का लक्ष्य शासन से निर्धारित था। जिसके विरूद्ध 17750 लोगों ने अपना टीकाकरण करवाया। जो 97 प्रतिशत रहा। जिला स्तर से वैक्सीनेशन सेंटर के लिए जिला अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया था। जिनके द्वारा इलेक्शन मोड में लेकर टीकाकरण केन्द्रों पर उपस्थित होकर शत-प्रतिशत टीकाकरण करवाया जाने में अपनी भागीदारी का निर्वहन किया।

टीकाकरण के लक्ष्य को पूर्ण करने में क्षैत्रवार स्थिति जिसमें विकास खण्ड पेटलावद द्वारा 5000 लक्ष्य के विरूद्ध 5022 लोगों का टीकाकरण करवा कर शत-प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करवाई। इसी तरह विकास खण्ड मेघनगर का लक्ष्य 2800 के विरूद्ध 2820 लोगों का टीकाकरण कर शत-प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करवाई गई। विकास खण्ड रामा को 2450 का लक्ष्य दिया गया था। जिसके विरूद्ध में 2410 लोगों का टीकाकरण पूर्ण हुआ। विकास खण्ड थांदला को लक्ष्य 2790 के विरूद्ध में 2730 लोगों का टीकाकरण किया गया। विकास खण्ड झाबुआ में 3380 का लक्ष्य निर्धारित था। जिसके विरूद्ध में 3160 लोगों को टीकाकरण किया गया। इसी तरह विकास खण्ड राणापुर में 1860 का लक्ष्य निर्धारित था। जिसके विरूद्ध में 1608 लोगों का टीकाकरण किया गया। कलेक्टर ने इनके प्रयासों को सराहना की। कलेक्टर ने टीकाकरण केन्द्र छापरी विकास खण्ड रामा, झकनावदा तथा रामनगर विकास खण्ड पेटलावद का भ्रमण किया तथा लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया।

रायपुरिया-झाबुआ मार्ग पर समस्या जस की तस

हतेली में हाथी दिखा गए विधायक साहब, विभाग ने मोरम बिछा कर दिया ऊंट के मुंह में जीरे वाला काम

माही की गूंज, पेटलावद/रायपुरिया।

सात दिन में पुल निर्माण का कार्य नही हुआ तो धरने पर बैठुंगा बोलकर अच्छा-खासा मीडिया कवरेज और सुर्खियों में आने वाले पेटलावद विधानसभा क्षेत्र के विधायक वालसिंह मैड़ा आम जनता को हतेली में हाथी दिखा कर गायब हो गए। मामला ग्राम रायपुरिया में मुख्य मार्ग रायपुरिया-झाबुआ पर दो वर्ष से भी अधिक समय से टूटे पड़े पूल का है जहाँ से निकलने के लिए वाहनों चालको को भारी जद्दोजहद का सामना करना पर पड़ रहा है, समय-समय पर उक्त पूल के निर्माण की मांग भी उठती रही है। जनप्रतिनिधियों द्वारा मामले को सीधे लोक निर्माण मंत्री तक भी ले जाया चुका है लेकिन कोई नतीजा निकलता नही दिखा। ऐसे में विगत दिनों क्षेत्र के विधायक वालसिंह मैड़ा ने अपनी ठंडी राजनीति को हवा देने के लिए इस समस्या को जरिया बनाया तो लोगो को एक उम्मीद जगी थी कि, विधायक धरने पर बैठे तो जरूर ही कोई निराकरण होगा, लेकिन ऐसा कुछ नही हुआ। सात दिन में धरने पर बैठने के नाम पर मीडिया में आए विधायक महोदय ने अपने कहे अनुसार 20 दिन के लगभग बीत जाने के बाद मीडिया में आकर अब तक ये भी नही बताया कि, धरने की उनकी धमकी का प्रशासन और सरकार पर कितना असर पड़ा।

लोकनिर्माण विभाग कर रहा है खानापूर्ति

लगभग दो वर्ष बीत जाने के बाद लोकनिर्माण विभाग उक्त समस्या से अब तक लोगो को निजात नही दिला पा रहा है ये बात समझ से परे हैं, हर बार कोई न कोई टेक्निकल पॉइंट देकर निर्माण से बचने का प्रयास कर रहा हैं। बारिश के दिनों में विभाग द्वारा परेशानी को देखते हुए दिखावे की खानापूर्ति कर मोरम बिछाकर ऊंट के मुंह में जीरे वाला काम कर रस्म आदयगी कर दी जो कि, बारिश गिरते ही मोरम कीचड़ में परिवर्तित होना तय है। विभाग की लापरवाही और अनदेखी किसी दिन बड़ी घटना के रूप में सामने आ सकती है जिसकी जिम्मेदारी किसकी होगी ये भी नही कहा जा सकता।

पुल नही तो वैकल्पिक मार्ग को किया जाए व्यवस्थित

रायपुरिया के ग्रामीणजन सहित वाहन चालको की मांग है कि, विभाग अगर बड़े खर्च से नया पूल नही बना सकता है तो वैकल्पिक मार्ग को ऊंचा कर डामरीकरण ही कर दिया जाए ताकि वाहनों को निकालने में सुविधा हो सके।

ग्राम पंचायत के प्रधान सुखराम मैडा ने बताया कि, ग्राम पंचायत की ओर से भी कई बार मांग अधिकारीयो ओर जनप्रतिनिधियों से की गई है, एक बार फिर ग्राम पंचायत पूल नही बनने तक वैकल्पिक मार्ग को सही बनाने की मांग करेगी और ग्राम पंचायत को वैकल्पिक मार्ग के लिए फंड जारी करने की मांग करेगी।

नगर परिषद भू-माफियाओं को संरक्षण देते आ रही नजर

मामलाः केशव उद्यान के बगीचे की जमीन का

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

प्रदेश के मुखिया संपूर्ण प्रदेश में माफिया के विरुद्ध मुहिम चलाकर उन्हें नेस्तनाबूद करने का कार्य कर रहे हैं। किंतु स्थानीय प्रशासन के नुमाइंदे, मुखिया के आदेशों की अवहेलना कर अपनी डफ्ली अपना राग अलापते हुए अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन व कर्तव्य आला अधिकारी अपनी जेब गर्म कर नगर को विवादों के झमेले में डाल रहे हैं, वही नगर परिषद के स्वर नाम धन्य सीएमओ व परिषद भी कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। जिन जिम्मेदारों को नगर सरकार का दायित्व सौंपकर नगर विकास का सपना मतदाताओं ने संजोया था, उस कसौटी पर परिषद खरी नहीं उतरी है, अतः इस गोरखधंधे में परिषद भी शामिल है।

हम बात कर रहे हैं, केशव उद्यान के समीप नगर परिषद के स्वामित्व वाले बगीचे की जमीन पर रोड निकालकर भू-माफियाओं को कब्जा देकर चंद रुपयों में जनप्रतिनिधि व नगर परिषद के जिम्मेदार जनता को गुमराह कर रहे हैं व उक्त जमीन पर रोड निकालकर भू-माफियाओं को फायदा पहुंचाने का कथित प्रयास किया जा रहा है। वही नेचुरल गोल्ड के समीप बहने वाले नाले पर भी कतिपय माफियाओं ने परिषद की मिलीभगत से पक्का निर्माण आरंभ कर दुकान भी तान दी है। परिषद का दायित्व होता है कि, नगर में अवैध अतिक्रमण करने से रोकना है। प्रशासन की प्रमुख कड़ी राजस्व विभाग है इसकी मुखिया महिला कर्मचारी है, उन्हें इसकी भनक नहीं है क्या? कस्बा पटवारी को भी नहीं पता है कि, नगर में बढ़ते अतिक्रमण के लिए हम भी जिम्मेदार है!

परिषद ने सारे नियमों को ताक में रखकर राजस्व भूमि पर नाले के ऊपर नगर परिषद ने दुकान में काम कर अपने चहेतों को उपकृत करने का प्रयास किया था, किंतु कलम का आईना दिखाते हुए न्यायालय में उक्त दुकानों का मामला विचाराधीन है। स्वयं परिषद के आला अधिकारी उक्त मामले में न्यायालय को भी गुमराह करने का कथित प्रयास कर रहे हैं, किंतु उसमें सफल नहीं होगे। नगर के नवीन बाइपास के समीप व पुल के समीप जिसे ग्रीन ट्रिब्यूनल घोषित होने के बाद भी भू-माफिया द्वारा पक्का निर्माण राजस्व विभाग की मुख दर्शिका को दर्शा रहा है। नगर के चर्चित प्रभारी सीएमओ अपने पद का दुरुपयोग कर चंद रुपयों की लालच में अपना जमीर बेचकर शायद उनके इस कृत्य पर सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें भी पछताना पड़े?

कांग्रेस नेताओ ने की घुमक्कड़ बेघर लोगो कर रहे मदद

माही की गूंज, शुजालपुर। वन विभाग द्वारा जेठडा-डुंगलाय की बड़ली में रह रहे पारदी समाज के घुमक्कड़ जाति के लोगो को डरा धमकाकर बिना पूर्व सूचना जबरन उनकी झुग्गी झोपड़ी को तोड़फोड़ कर उनका सारा सामान बर्तन, सोने के बिस्तर, कपड़े तक अपने साथ ले गए। ऐसे में उन परिवारों के छोटे बच्चे व गर्भवती महिलाएं बारिश में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए है। इस बारे में कांग्रेस के विधि एवं मानवाधिकार विभाग के जिलाध्यक्ष महिपाल सिंह बैस व समाजसेवी बल्ला सोनी ने अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर प्रकाश कस्बे को अवगत कराया। श्री कस्बे ने जनपद पंचायत सीईओ को कार्रवाई हेतु भिजा व हटाए गए परिवारों को अन्य जगह रहने व खाने पीने की व्यवस्था की जाएगी का आश्वाशन जनपद पंचायत सीईओ ने दिया।

राजनिति से परे नगर का विकास करने में भागीदारी निभाएं पार्षद- विधायक खड़िया

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)। उपखंड कार्यालय सभागार परिसर में राज्य सरकार, स्वायत्त शासन विभाग की और से कुशलगढ़ नगरपालिका मे नव मनोनित पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। सभी नव मनोनित पार्षदगण आशीष चौपड़ा, महेंद्र सिंह परमार, राजकुमार पंचोली, दीपेश पंचाल, शंकर भोई, महिला मनोनित पार्षद पायल पण्डया को उपखंड अधिकारी बीएल सुथार ने सामूहिक रूप से शपथ दिलाते हुए जन समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने सहित कोविड टिकाकरण और स्वच्छता के प्रति जनजागरुकता का संकल्प दिलाया। समारोह को संबोधित करते हुए क्षेत्रिय विधायक रमीला खड़िया ने कहा कि, कुशलगढ़ नगरपालिका और नगर के सभी वार्डों के विकास में राज्य सरकार की और से मनोनित पार्षदगण अपनी भागीदारी निभाए, छोटे से नगर में राजनिति से परे नगर के विकास में भूमिका निभाते हुए वार्डों में आ रही जनसमस्याओं के समाधान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। जिसके बाद समारोह को पीसीसी सदस्य हंसमुख सेठ ने भी संबोधित किया। ?सभी नव मनोनित पार्षदों का जनप्रतिनिधियों की और से माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद नगर में रैली के रूप में पीपली चौराहे पर कार्यकर्ता, विधायक की अगुवाई में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कार्यवाहक तहसीलदार नितिन मेरावत, नगरपालिका अध्यक्ष बबलु मईडा, उपाध्याय नितेश बैरागी, अधिशासी अधिकारी ललित राठौड़, जिला आयोजन समिति सदस्य रजनीकांत खाब्या, निवर्तमान ब्लाक अध्यक्ष जयंतीलाल कोवालिया, पंचायत समिति सदस्य विजय खड़िया, रमेश तलेसरा, पार्षद महावीर कोठारी, एसटीएससी छात्रसंघ विधानसभा प्रभारी प्रेमसिंह खड़िया, पप्पुलाल गरासिया, मांगुसिंह पंवार, हर्षवर्धन पण्डया, रवि चौहान, विरम चौहान, अनिल यादव, छगनलाल खड़िया, ज्योत्सना पण्डया सहित पार्शदगण और गणमान्य जन मौजूद रहे।

विप्र फाउंडेशन निभा रहा मानवीय और जीवदया का सामाजिक सरोकार

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

कुशलगढ़ में थांदला मार्ग पर नागनाथ महादेव और साईं मंदिर परिसर प्राकृतिक छटा से ओतप्रोत है। जानलेवा महामारी कोरोना की दूसरी लहर में अनेक स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों ने जरुरतमंद के लिए अपने-अपने सामर्थ्य से सहयोग और सहायता पहुंचाने का पुनित काम किया है। इसी जज्बे में कुशलगढ़ में थांदला मार्ग पर स्थित प्राचीन और पुरातन नागनाथ महादेव मंदिर परिसर और साईं बाबा मंदिर परिसर प्राकृतिक छटा लिए हुए है जहां धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर होता है जिस परिसर में मूक-बधिर जीव जंतुओं के लिए मानवीय और जीवदया के पैगाम के साथ विप्र फाउंडेशन परिवार की और से विगत 57 दिनों से लगातार प्रतिदिन 15 किलो आटे से विप्र रोटी बनाकर पशू-पक्षी और वानरों सहित गौमाता को खिलाने का क्रम जारी है। विप्र फाउंडेशन का उद्देश्य भूखे को अन्न, प्यासे को पानी और हर उस जरूरतमंद लाचार असहाय मानव तक यह रोटी पहुंचे और गौ माता एवं बेजुबान पशु पक्षियों की सेवा भी हो सके, यह उपदेश लेकर विप्र फाउंडेशन परिवार कुशलगढ़, विप्र रोटी महा अभियान सफलतापूर्वक चल रहा है। जिला विप्र फाउंडेशन के प्रदेश पदाधिकारी कुशलगढ़ निवासी सांई भक्त हेमेंद्र पंड्या ने बताया कि, अभियान में विप्र फाउंडेशन जिलाध्यक्ष योगेश जोशी, उपाध्यक्ष एवं प्रभारी तिलोत्तमा पंड्या, विप्र फाउंडेशन परिवार के नरेश त्रिवेदी, ओम प्रकाश जोशी, निर्मल पंड्या, अरुण जोशी, देव शंकर पंड्या, अजय जोशी, हर्षवर्धन, विद्या, प्रशांत पंड्या, रिंकू पंड्या, अनिरुद्ध पंड्या, संजय पंड्या, दिव्या पंड्या, जयेश पंड्या, रवि जोशी, कृष्णकांत पंड्या, प्रमोद पंड्या, डॉक्टर मधुसूदन शर्मा, विपिन भट्ट सहित विप्र फाउंडेशन से जुड़े लोग समय दे रहे हैं।

अब जरुरतमंद भूखे तक को प्रतिदिन भोजन

जीवदया के पैगाम के साथ जय परशुराम विप्र रोटी महा अभियान के तहत अब परिसर में जीवदया के साथ जरूरतमंद और भूखे के लिए भी भोजन प्रसादी की व्यवस्था का शुभारंभ हो चुका है। इस बारे में समाजसेवी हेमेंद्र पंड्या ने बताया कि, प्रतिदिन तीस के करीब लोगों को भोजन प्रसादी करवाई जा रही है, परशुराम कुटिया में आने वाला कोई भूखा नहीं जाए यही सच्ची मानव सेवा है, यहां रोटी बनाने में सहयोग में बच्चे भी रूचि दिखाकर से योग के साथ कमलेश निनिमा, जयेश पंड्या आदि सहयोग में लगे हैं।

चमत्कारः वैक्सीन लगाने के बाद बेहरापन हुआ दुर

माही की गूंज, थांदला।

कोरोना वैक्सीन को लेकर आम जनता में कई प्रकार की भ्रांतियां फैली हुई है, प्रशासन नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वही नगरीय क्षेत्रों में धीमी गति से वेक्सिनेशन हो रहा है वैसे ही ग्रामीण क्षेत्र में और धीमी गति से चल रहा है। वहीं थांदला में पान की दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले रामअवतार बिछोलिया को दोनों कानों से सुनाई नहीं देता था। उन्होंने इस बीमारी का इलाज भी कई डॉक्टरों से करवाया लेकिन सुनने की क्षमता नहीं आई। पिछले दिनों कोरोना वेक्सन लगवाई और वैक्सीन के 2 दिन के बाद उन्हें अपने कानों में अच्छी तरह से सुनाई देने लगा। मतलब बिछोलीया को सुनने की शक्ति वापस लौट आई व दोनों कानों से अच्छी तरह से सुन सकते हैं। रामअवतार का मानना है कि, वैक्सीन लगाने के 2 दिन बाद से ही मुझे सुनाई दे रहा है वैक्सीन लगाने चाहिए वेकसीन से दुसरी बीमारी हो वह भी ठीक हो जाती है।

ग्राम काजली डूंगरी में खाटला बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ग्राम पंचायत काजली डूंगरी जनपद पंचायत मेघनगर में ग्रामीणों के साथ खाटला बैठक के माध्यम से ग्रामीणों के साथ रूबरू हुए। ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए ग्राम में शत-प्रतिशत टीकाकरण करवाने का आव्हान किया। इस संबंध में किसी भी प्रकार का भय, भ्रांति या अफवाह में नहीं आए। आप टीका लगवाकर स्वयं को सुरक्षित करे एवं अपने परिवार को सुरक्षित करें। ग्रामीणों ने आश्वासन दिया कि हमारे ग्राम पंचायत के सभी ग्रामों में शत-प्रतिशत टीकाकरण करवाएगें।

रात में चोरी हुई तूफान, सुबह वापस मिली

बड़े वाहन चोरों का गिरोह सक्रिय, पूर्व में हो चुकी हैं चोरी

माही की गूंज, बनी। रायपुरिया-बनी रोड पर स्थित नितेश सांखला के घर के बाहर खड़ी तूफान जीप क्रमांक एमपी 45 बीबी 1473 मंगलवार-बुधवार रात्रि लगभग साढ़े 3 बजे के लगभग अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई।

प्राप्त जानकारी अनुसार नितेश सांखला प्रतिदिन की तरह घर से अपनी दुकान जा रहे थे तभी उन्हें अपनी तूफान जीप बाहर खड़ी हुई नहीं मिलने पर आस-पास के लोगों से पूछताछ की मगर कोई पता नहीं लगा। जिसके बाद घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में देखने पर पता चला कि, तीन लोग प्लैटिना बाइक लेकर आए और तूफान को बनी की ओर लेकर गए हैं। नितेश सांखला के पड़ोसी संजय कोठारी के यहां दुकान पर काम करने आने वाले व्यक्ति ने उक्त तूफान चोरी की बात सुनी तब उसने अपने सेठ संजय कोठारी को बताया कि, बनी रोड पर बड़े पुल के आगे एक तूफान गाड़ी रोड के सहारे खड़ी हुई मैं देख कर आया हूं। जिसके बाद तत्काल नितेश सांकला द्वारा अपने साथियों के साथ जाकर देखा तो उनके घर से चोरी हुई तूफान जीप खड़ी मिली स चोरों के द्वारा मेन रोड पर इतनी बड़ी चोरी को अंजाम देना सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है, इससे पूर्व भी रायपुरिया थाना क्षेत्र के बोलास से तूफान चोरी हो चुकी हैं जिसकी आज तक जानकारी नही मिली। क्षेत्र में वाहन चोर गिरोह सक्रिय हैं जो थोड़े-थोड़े दिनों में न केवल मोटरसाइकिल बल्कि बड़ी गाड़ियों पर भी हाथ साफकर रहे है।

समय से शासन के आदेशों का पालन होता तो शायद बच जाती सीईओ बाहेती की जान

सुसाईड नोट में स्थानीय नेताओं पर लगाया आरोप, आत्महत्या की वजह तलाशने में जुटी पुलिस

स्थांतरण के बाद भी पेटलावद जनपद का नही ले पाए चार्ज

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

कुछ माह पूर्व ही खरगोन जिले की भीकनगांव जनपद पंचायत से राजेश बाहेती झाबुआ जिले की पेटलावद जनपद में स्थांतरण हुए लेकिन रिलीव नही हुए थे। वही पेटलावद में पदस्थ सीईओ एनएस चौहान अपने स्थांतरण के बाद हाईकोर्ट से स्टे ले आए थे। खरगोन जिले में पदस्थ सीईओ राजेश बोहाती का शव उनके सरकारी आवास से बरामद हुआ है और उनके द्वारा आत्महत्या करने की बात सामने आ रही हैं। पुलिस मामले की जाँच में जुटी है।

सुसाईड नोट से राजनीति हुई गर्म

जनपद पंचायत सीईओ राजेश बाहेती लगभग तीन माह पूर्व भीकनगांव से पेटलावद जनपद के लिए स्थांतरण हुआ था लेकिन शासन के आदेशों का पालन समय नही किया न ही खरगोन प्रशासन ने बाहेती को रिलीव किया और न ही झाबुआ प्रशासन ने पेटलावद सीईओ को रिलीव किया। अगर शासन द्वारा किए गए स्थांतरण आदेश का पालन सही समय पर हुआ होता तो शायद सीईओ बाहेती की जान बच जाती। बाहेती की आत्महत्या मामले में सुसाईड नोट के सामने आने से राजनैतिक जंग छिड़ने के आसार है।

बताया जा रहा है कि, सुसाईड नोट में बाहेती ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नाम लिखे हैं, सुसाईड नोट में प्रताड़ना के

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के ट्वीट।

सीईओ राजेश बहोती।

निवास जहां रोजेश बहोती ने आत्महत्या की।

आरोप की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया है। प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर मामले को हआ देते हुए उन्होंने लिखा है कि, भीकनगांव सीईओ राजेश बाहेती की मौत का कारण भाजपा के जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और भाजपा मंडल अध्यक्ष द्वारा अवैध रूप से पैसों की मांग करना व मीटिंग में अपमानित करना बताया है। खरगोन एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने सुसाईड नोट की पुष्टि कर, जांच के बाद आत्महत्या के कारणों के खुलासा करने की बात कर रहे है। बाहेती के परिजनों ने आरोप लगाया है कि, ये आत्महत्या नही हत्या है।

वहीं सीईओ आत्महत्या मामले में पुलिस ने मिले सोसाइट नोट और परिजनों के बयान के आधार पर दो लोगो के विरुद्ध अपराध दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि धन्नालाल खतवासे और उपाध्यक्ष दुलीचंद के खिलाफकेस दर्ज कर पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों के द्वारा शासकीय कार्यो को लेकर सीईओ बाहेती को प्रताड़ित किया जाता था जिसकी जांच की जा रही हैं।

जांच होगी या सत्ता पक्ष के दबाव ने दब जाएगा मामला

आत्महत्या के हॉइ प्रोफाइल मामले में राजनीति गर्मा गई है और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू हो गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि, मामला सत्तापक्ष से जुड़ा होने के कारण दबाया भी जा सकता है।

एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान का कहना है कि, प्रारम्भिक रूप से सुसाईड का मामला लग रहा है और सुसाईड नोट मिला है। सुसाईड नोट की जांच कराई जा रही है जिसके बाद ही पूरे मामले का खुलासा होगा। सीईओ की आत्महत्या का मामला पारिवारिक विवाद नहीं बल्कि प्रोफेशनल विवाद की बात जाँच में सामने आ रही है और उसी एंगल से जांच भी की जाना चाहिए।

पुलिस फिलहाल सुसाइड नोट में नाम और तथ्यों को लेकर कुछ भी कहने से बच रही है, जबकि कहा जा रहा है कि सुसाईड नोट में सीईओ राजेश बाहेती ने आत्महत्या के कारण और नाम लिख दिए हैं। परिवार का कहना है कि, आत्महत्या के लिए प्रेरित किया गया है जो हत्या से कम नही, परिवार ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

संपादकीय

जख्मों पर मरहम

लंबे समय से उम्मीद थी कि, सरकार दूसरी कोरोना लहर से उपजे संकट से उबरने के लिए आर्थिक राहत पैकेज देगी, सरकार ने इसी दिशा में कुछ कदम उठाए हैं। सोमवार को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कई राहत उपायों की घोषणा की, जिसमें मझोले उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना भी शामिल है। उम्मीद की जानी चाहिए कि, महामारी से जूझ रही भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में यह पहल कुछ मददगार साबित होगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र व बुनियादी ढांचे की स्थिति सुधारने के लिए सरकार ने 1.1 लाख करोड़ रुपए की क्रेडिट गारंटी योजना का भी ऐलान किया। इसी क्रम में नकदी संकट का सामना कर रहे मध्यम स्तर के उद्योगों के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना यानी ईसीएलजीएस के तहत दिए जाने वाली राशि को पचास फीसदी बढ़ाकर 4.5 लाख करोड़ कर दिया गया। सरकार ने जिन आठ राहत उपायों की घोषणा की है उनमें पिछले वर्ष घोषित कई राहत उपायों का विस्तार भी शामिल है। स्वास्थ्य क्षेत्र को दिए गए पैकेज में लोन गारंटी दी गई है, जिसके लिए पचास हजार करोड़ की राशि निर्धारित की गई है। चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए सौ करोड़ तक ऋण कम ब्याज दर पर दिया जा सकेगा। राहत पैकेज के तहत छोटे कारोबारी माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूट से सवा लाख तक लोन ले सकेंगे। सरकार की मंशा नए ऋणों को प्रोत्साहन देना और इसकी प्रक्रिया को सरल बनाना है ताकि छोटे कारोबारियों को नकदी संकट से उबारा जा सके। यह तथ्य भी किसी से छिपा नहीं है कि, कोरोना संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले क्षेत्र में पर्यटन उद्योग शामिल है। पर्यटन उद्योग को उबारने के क्रम में पंजीकृत टूरिस्ट गाइडों व ट्रैवल टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स को सरकार वित्तीय मदद देगी। इसके तहत टूरिस्ट गाइड को एक लाख रूपए व टूरिस्ट एजेंसी को दस लाख रुपए का लोन दिया जाएगा। इस ऋण की सौ फीसदी गारंटी दी जाएगी। लोन पर कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लगेगा।

इसके साथ ही महामारी से बिखर चुके पर्यटन उद्योग को उबारने के लिए सरकार पांच लाख मुफ्त विदेशी टूरिस्ट वीजा जारी करेगी। आगामी 31 मार्च 2022 तक चलने वाली इस योजना के लिए सरकार सौ करोड़ की वित्तीय सहायता देगी। सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम कोरोना संकट के दौरान रोजगार खोने वाले पंद्रह हजार से कम वेतन वाले कर्मचारियों को राहत देने के लिए उठाया है। यह प्रयास पहली लहर के बाद लॉकडाउन से उपजे रोजगार संकट को कुछ कम करने के लिए भी किया गया था। आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत पंद्रह हजार से कम वेतन पाने वाले लाखों कर्मचारियों व नियोक्ता के हिस्से का बारह-बारह प्रतिशत पीएफ का भुगतान सरकार करती है ताकि रोजगार संकट के चलते कंपनियां छंटनी न करें और कर्मचारी को भी कुछ बचत हो सके। इस योजना का मकसद नए रोजगार का सृजन करना भी था ताकि जिनकी नौकरी चली गई है उन्हें फिर से रोजगार मिल सके। पहले यह योजना जून 2021 तक थी, अब इसे बढ़ाकर अगले वर्ष 31 मार्च तक किया गया है। सरकार का दावा है कि, पिछली लहर के बाद उपजे संकट में इस योजना के तहत 21.42 लाभार्थियों पर 902 करोड़ खर्च किए गए थे। इस बार इस योजना पर 22 हजार 810 करोड़ रुपए खर्च करने का लक्ष्य रखा है। वहीं किसानों हेतु खादों की खरीद पर दी जाने वाली सब्सिडी का विस्तार किया गया है। पैकेज में किसानों को राहत के अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के विस्तार का भी जिक्र किया गया है। नि:संदेह, सरकार की पहल वक्त की जरूरत है लेकिन बेहतर होता कि, कोरोना संकट से प्रभावित रोज कमाकर खाने वाले तबके को सीधी आर्थिक मदद मिलती। सीधे हाथ में नकदी पहुंचने से जहां महंगाई की मार से कुछ राहत मिलती, वहीं आर्थिक तरलता बढ़ने से बाजार में उछाल आता, जिससे पटरी से उतरी अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने में मदद मिलती। सवाल यह भी है कि, पहले ही ऋणों से दबे वर्गों को और ऋण उपलब्ध कराने से क्या वाकई राहत मिल पाएगी?

साझे प्रयासों में ही है समाधान

'लव जिहाद' की कथित घटनाओं के बहाने भाजपा शासित राज्यों में बनाए जा रहे धर्मांतरण निरोधक कानून की तर्ज पर ही अब असम के बाद उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य भाजपा शासित राज्य भी दो से ज्यादा संतान वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरी जैसी सुविधा से वंचित करने जैसे कदम उठाने की तैयारी कर रहे हैं। इसका मकसद जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए जनता को प्रेरित करना है ताकि प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों को यथासंभव समान रूप से मिल सके। लेकिन सरकारों के प्रयासों पर राजनीति शुरू हो गयी है। जनसंख्या नियंत्रण के किसी भी प्रयास को सांप्रदायिक रंग देना राजनीतिक दिवालियापन और संकीर्ण सोच दर्शाता है।

कोरोना संकट के दौरान सभी ने तेजी से बढ़ रही जनसंख्या के दुष्परिणामों को महसूस किया है। राज्यों में चिकित्सा सुविधाओं, अस्पतालों का अभाव, ऑक्सीजन और दवाओं के भारी संकट की वजह से लोगों ने प्रियजनों को दम तोड़ते देखा है।

देश में प्राकृतिक बल्कि मानव निर्मित संसाधन भी सीमित हैं। प्राकृतिक संसाधनों की कमी और इनके बेतहाशा दोहन से उत्पन्न खतरों पर देश की सर्वोच्च न्यायपालिका भी चिंता व्यक्त करती रही है, बेरोजगारी बढ़ रही है। जनसंख्या के अनुपात में चिकित्सा सुविधायें, शिक्षा, आवास, बिजली पानी, खाद्य सामग्री और न्याय प्रदान करने की व्यवस्था उपलब्ध करना मुश्किल हो रहा है।

आखिर अगर सरकार दो से ज्यादा संतान वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरी जैसी सुविधा से वंचित करने का निर्णय लेती है तो इसे सिर्फमुसलमान विरोधी कैसे ठहराया जा सकता है? पंचायत स्तर के चुनावों के लिए दो संतानों का फार्मूला पहले ही कई राज्यों में लागू है। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और ओडिशा आदि राज्यों ने बाकायदा कानून बना रखा है। इस कानून को उच्चतम न्यायालय ने भी संवैधानिक ठहराया है। दो से अधिक संतान वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरी नहीं देने का संबंध है तो इस बारे में सबसे पहले पिछले साल असम सरकार ने फैसला लिया था। राज्य में कुछ विशेष सरकारी योजनाओं का लाभ में दो बच्चों की नीति लागू की जाएगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सहित भाजपा शासित राज्यों में इसी तरह की योजनाएं शुरू करने और दो संतान वाले परिवारों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ देने पर सुगबुगाहट शुरू हो गई है।

इसी बीच, उत्तर प्रदेश के विधि आयोग ने भी कहा कि, जनसंख्या नियंत्रण के लिए उचित योजना लागू करने पर विचार किया जा रहा है। इस आयोग के अध्यक्ष आदित्य नाथ मित्तल के अनुसार इसका उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण में मदद करने वालों को प्रोत्साहित करना है। देश में जनसंख्या की विस्फोटक स्थिति पर राष्ट्रपति से लेकर निचले स्तर तक राजनीतिक दलों और संगठनों ने चिंता व्यक्त की है। लगातार दो संतान की नीति अपनाने पर जोर दिया जाता है लेकिन हर बार इस तरह के प्रयास को आपातकाल में 'हम दो हमारे दो' और 'छोटा परिवार सुखी परिवार' अभियान को सफल बनाने के दौरान हुई ज्यादतियों की ओर सबका ध्यान खींचा जाता है। यह भी कितना विचित्र है कि, एक ओर लगभग सभी दल बढ़ती जनसंख्या से चिंतित हैं और राज्यसभा में तो कांग्रेस तथा शिवसेना के सदस्य निजी विधेयक तक लाते हैं लेकिन सार्वजनिक मंचों पर कुछ दल इससे इतर दलीलें देने और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव की बातें करते हैं।

देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एमएन वेंकटचलैया की अध्यक्षता में गठित संविधान के कामकाज की समीक्षा करने वाले आयोग ने भी जनसंख्या नियंत्रण के लिए संविधान में एक नया अनुच्छेद 47-ए शामिल करने का सुझाव दिया था।

अनुप भटनागर

इससे पहले नरसिंह राव सरकार के कार्यकाल के दौरान इस संबंध में एक संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश भी किया गया था।

इसमें दो से अधिक संतान वाले व्यक्तियों को संसद और विधानमंडलों का चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराने का प्रस्ताव था लेकिन बात आगे नहीं बढ़ सकी थी।

संभवतः यही वजह थी कि, सबसे पहले पंचायत स्तर पर दो से ज्यादा संतानों वाले व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से वंचित करने के बारे में कानून बनाए गए जो पूरी तरह सफल रहे हैं। चूंकि राजनीतिक बाध्यताओं की वजह से जनसंख्या नियंत्रण के बारे में केन्द्रीय कानून बनाने में दिक्कतें आ रही हैं, संभवतः इसीलिए राज्य अब अपने सीमित संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग करने के लिए सरकारी नौकरियों और कुछ विशेष योजनाओं में दो संतानों की नीति लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

उम्मीद की जानी चाहिए कि, देर-सवेर राजनीतिक दल और तमाम संगठन देश में बढ़ती जनसंख्या की समस्या और चुनौतियों पर राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर देशहित में इस पर अंकुश लगाने के बारे में सोचेंगे।

विचार-मंथन: पाक की नीयत

सिद्धार्थ शंकर

कश्मीर मुद्दे पर 24 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद पाकिस्तान ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी थी, उसमें उसकी खीझ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। पाक के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने एक के बाद एक कई बयान दिए, सभी का सार यही था कि, पाकिस्तान किसी भी सूरत में कश्मीर में अमन चैन सुधरते नहीं देख सकता। इस बैठक के तीन दिन बाद ही पाकिस्तान की तरफसे कायराना हरकत सामने आ गई है। दिन में श्रीनगर के बर्बर शाह इलाके में पुलिस और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की जॉइंट पार्टी पर आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला कर दिया। इसमें जवानों को तो नुकसान नहीं हुआ लेकिन, एक महिला समेत चार नागरिक घायल हो गए। इनमें से एक ने बाद में दम तोड़ दिया, मरने वाले की पहचान मुदासिर अहमद के रूप में हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, घटना शाम करीब 6 बजे की है। इसके बाद देर रात जम्मू में एयरफोर्स स्टेशन के टेक्निकल एरिया में 5 मिनट के अंदर 2 ब्लास्ट साबित करते हैं कि, पाकिस्तान की नीयत में क्या है। हालांकि, उसने अब तक इस पर कुछ कहा नहीं है, मगर धमाके में जिस ड्रोन का इस्तेमाल किया गया, उसकी तकनीकी से वह पल्ला नहीं झाड़ सकता। बता दें कि, जम्मू एयरफोर्स स्टेशन के टेक्निकल एरिया के पास धमाका होने से एयरफोर्स के 2 जवानों को हल्की चोटें आई हैं। यहां 5 मिनट के अंतराल पर दो ब्लास्ट हुए। पहला ब्लास्ट परिसर की बिल्डिंग की छत पर और दूसरा नीचे हुआ। विस्फोट करने के लिए दो ड्रोन इस्तेमाल किए गए थे। हमलावरों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका है कि, विस्फोट वाले इलाके में खड़े एयरक्राफ्ट उनके निशाने पर थे। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। घटना शनिवार आधी रात करीब 1 बजकर 45 मिनट की है। जहां यह घटना हुई है, उसी कैंपस में जम्मू का मुख्य एयरपोर्ट भी आता है। वायुसेना, नौसेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया है। भारतीय वायुसेना की एक हाईलेवल टीम इस घटना की जांच में लगी है।

बताया जा रहा है कि, इस साजिश को अंजाम देने के लिए पी-16 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है। ये ड्रोन काफी नीचे उड़ सकता है, इसकी वजह से कई बार यह रडार की नजर से भी बच जाता है। ड्रोन का संभावित लक्ष्य एक विमान था। हवाई मार्ग से एयरपोर्ट से मकवाल बॉर्डर की दूरी करीब पांच किलोमीटर है। इसके साथ यह बात भी सामने आ रही है कि, ड्रोन में जीपीएस लगा था। आशंका जताई जा रही है कि, इस ड्रोन को सीमा पार से हैंडल किया जा रहा था। ड्रोन के जरिए सीमा पर पाकिस्तान पहले भी हरकत करता रहा है। कुछ दिन पहले ही ऐसे कई ड्रोन पकड़े गए हैं, जो आतंकियों तक हथियार पहुंचा रहे थे। इन हथियारों पर मेड इन पाकिस्तान की मुहर भी थी। इन दिनों पाकिस्तान की बौखलाहट इसलिए भी बढ़ी हुई है कि, कश्मीर मसले पर उसे दुनिया में कहीं से कोई मदद नहीं मिल रही है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्क्रिय करने के भारत के फैसले को अमेरिका सहित सारे देशों ने इसे भारत का अंदरूनी मामला करार दे दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री और विदेश मंत्री तक खुलेआम कह रहे हैं कि, कश्मीर पर पाकिस्तान को किसी का साथ नहीं मिल रहा। इसीलिए पाकिस्तान आतंकियों की आड़ में अपनी खीझ निकाल रहा है। इसलिए वह किसी भी तरीके से वहां शांति के प्रयासों को धक्का पहुंचाना चाहता है। सीमाई क्षेत्रों में गोलीबारी करने का बड़ा मकसद भारतीय सीमा क्षेत्र में आतंकियों की घुसपैठ कराना भी है। इन आतंकियों के जरिए हथियार, विस्फोटक, नकली मुद्रा और मादक पदार्थों की खेप तक पहुंचाई जाती है और आतंकी हमलों को अंजाम दिया जाता है। आतंकियों की घुसपैठ करवाने के लिए पाकिस्तान ने पूरी नियंत्रण रेखा पर आतंकियों को घुसपैठ के लिए ठिकाने बना रखे हैं। हाल में जम्मू क्षेत्र में ऐसी ही एक सुरंग का भी पता चला। पाकिस्तान अपनी आतंकवाद की नीति छोड़ नहीं सकता, यह सब जानते हैं। ऐसे में उसे उसी की भाषा में जवाब देना ही एकमात्र इलाज है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकारों के अंतर्विरोध व चीन

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

हांगकांग में लोकतंत्र की हत्या, उईगुर मुसलमानों पर अत्याचार एवं हांगकांग के मीडिया मुग़ल जैक मा को हिरासत में लिए जाने को लेकर चीन की भर्त्सना की जा रही है। कहा जा रहा है कि, चीन अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन में अपनी जनता के मानवाधिकारों का हनन कर रहा है। इस संदर्भ में 1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार घोषणा पत्र की धाराओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। घोषणापत्र की धारा 29 में व्यक्ति के अधिकारों को प्राथमिक बताया गया है। यद्यपि यह भी कहा गया है कि, व्यक्ति के अधिकारों को समाज के हित में सीमित किया जा सकता है लेकिन प्राथमिकता व्यक्ति के अधिकारों की ही बनी रहती है।

इसका अर्थ यह हुआ कि, व्यक्ति विशेष समाज के हितों के विपरीत तब तक काम कर सकता है जब तक सरकार उसके अधिकारों को सीमित न करे। जैसे छात्रों को सिखाया जाए कि, चोरी तब तक की जा सकती है जब तक पुलिस न पकड़े। यह न सिखाया जाए कि, चोरी करना गलत है। इसी प्रकार घोषणा-पत्र कहता है कि, व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों को तब तक बढ़ा सकता है जब तक समाज उसे न रोके। चाणक्य ने कहा था कि, व्यक्ति को परिवार के लिए, परिवार को गांव के लिए और गांव को देश के लिए त्याग देना चाहिए। मानवाधिकार घोषणा-पत्र इसके ठीक विपरीत है। व्यक्ति को प्राथमिक रखा गया है जबकि चाणक्य के अनुसार गांव और देश को प्राथमिक रखा जाना चाहिए। इसलिए इस धारा पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

घोषणापत्र की धारा 29-1 में कहा गया है कि, व्यक्ति का समाज के प्रति दायित्व है लेकिन इस दायित्व का निर्वाह करना व्यक्ति के लिए अनिवार्य नहीं है। इसलिए व्यक्ति द्वारा समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह न भी किया जाए तो भी वह अपने व्यक्तिगत अधिकारों की मांग कर सकता है, जैसा कि आतंकवादी करते हैं। इसका परिणाम यह है कि, जो व्यक्ति समाज के विपरीत काम करते हैं, उनके अधिकारों की रक्षा की जाती है और उनके समाज के विपरीत कार्यों को पर्दे के पीछे छिपा दिया जाता है।

घोषणा-पत्र की धारा 29-3 में कहा गया है कि, संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के विरुद्ध कोई व्यक्ति कार्य नहीं करेगा। अब विचार कीजिए कि, संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों में एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्य होंगे, जिनके पास वीटो पावर होगा। शेष 200 देशों को नीचा दर्जा दिया गया है। इसलिए इस असमानता के विरुद्ध आवाज उठाना मानवाधिकार घोषणा-पत्र के विपरीत है। एक तरफघोषणा-पत्र संपूर्ण विश्व के नागरिकों के समान अधिकार की बात करता है और वहीं घोषणा-पत्र दूसरी तरफकुछ विशेष देशों के विशेष अधिकारों को सुरक्षित करता है और संपूर्ण विश्व को इस असमानता के प्रति आवाज उठाने से भी मना करता है।

घोषणा-पत्र की एक प्रमुख विसंगति आर्थिक असमानता को पुष्ट करने की है। धारा 13 में कहा गया है कि, किसी भी व्यक्ति को अपने देश की सीमा में यात्रा का अधिकार होगा। धारा 21-2 में कहा गया है कि, देश की सीमाओं में व्यक्ति को सार्वजनिक सुविधाओं के उपयोग का अधिकार होगा। धारा 22 में कहा गया है कि, हर व्यक्ति को देश की सीमा में सामाजिक सुरक्षा जैसे रोटी, कपड़ा और मकान का अधिकार होगा। प्रश्न यह है कि, यदि संपूर्ण विश्व एक ही है तो इन आर्थिक अधिकारों को देश की सीमा में क्यों बांध दिया गया? यानी, राजनीतिक अधिकारों में संपूर्ण विश्व एक है। अमेरिका अथवा चीन मांग कर सकता है कि, भारत द्वारा कश्मीर में मानव अधिकारों को बहाल किया जाए लेकिन भारत के नागरिक को चीन में यात्रा करने का अधिकार नहीं होगा, चीन में सामाजिक सुरक्षा का अधिकार नहीं होगा, इत्यादि। विषय महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिक अधिकारों को अंतर्राष्ट्रीय बनाने से अमीर देशों को गरीब देशों में दखल देने का अवसर मिल जाता है जबकि आर्थिक अधिकारों को सीमा के अंदर बांध देने से अमीर देश अपनी अमीरी को सुरक्षित रख सकते हैं।

इस पृष्ठभूमि में हमें चीन द्वारा मानवाधिकारों के हनन को समझना चाहिए। चीन की सरकार अपने नागरिकों के प्रति उदार दिखती है। नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन और जनहित वहां साथ-साथ चलता दिखता है। अमेरिका के एडलमैन ट्रस्ट द्वारा 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि, चीन के 90 प्रतिशत नागरिक अपनी सरकार में विश्वास रखते हैं, तुलना में अमेरिका के केवल 39 प्रतिशत नागरिक अपनी सरकार में विश्वास रखते हैं। हावर्ड यूनिवर्सिटी के ऐश सेंटर फॉर डेमोक्रेटिक गवर्नेंस ने 2011 एवं 2016 में चीन के नागरिकों का सर्वेक्षण किया था और पाया गया कि, 2011 में 61 प्रतिशत लोग स्थानीय सरकार को जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील मानते थे, 2016 में यह बढ़कर 74 प्रतिशत हो गया। 2011 में 45 प्रतिशत नागरिक मानते थे कि, स्थानीय अधिकारी अमीरों के लिए काम करते हैं, 2016 में यह घटकर 40 प्रतिशत हो गया। 2011 में 32 प्रतिशत लोग मानते थे कि, स्थानीय अधिकारियों द्वारा नाजायज वसूली की जाती है, 2016 में यह घटकर 23 प्रतिशत हो गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि, चीन की जनता अपनी सरकार से संतुष्ट तो है ही बल्कि संतुष्टि का स्तर बढ़ रहा है।

इसलिए यह कहना तर्कसंगत नहीं लगता कि, चीन अपनी जनता के मानव अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है क्योंकि किसी भी अधिकार या कानून का अंतिम उद्देश्य जनता का सुख है। यदि चीन की जनता अपनी सरकार के प्रति सकारात्मक एवं आशान्वित है तो चीन की सरकार द्वारा अपनी जनता के मानव अधिकारों के उल्लंघन पर हमें पुनर्विचार करना चाहिए।

फिर भी यह सही है कि, चीन द्वारा अपनी जनता के मानव अधिकारों का हनन किया जा रहा है जैसा हांगकांग में। लेकिन साथ-साथ चीन द्वारा अपनी जनता के सुख पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसलिए हमें संभवतः मानवाधिकारों को सरकार के चरित्र के आधार पर देखना चाहिए। जिन देशों की जनता को अपनी सरकार पर भरोसा नहीं है जैसे अमेरिका की जनता को, उन देशों में मानवाधिकारों को सख्ती से लागू करना चाहिए। लेकिन जहां देश की सरकार अपनी जनता के प्रति संवेदनशील है और उनके सुख का ध्यान रखती है वहां मानवाधिकारों का उपयोग जनता के सुख के हनन के लिए भी किया जा सकता है। अतः अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार घोषणा-पत्र को मूलतः उन देशों पर लागू किया जाना चाहिए, जिनकी जनता अपनी सरकार के प्रति नकारात्मक है। जैसे अमेरिका में केवल 39 प्रतिशत लोग अपनी सरकार पर विश्वास रखते हैं।

जो स्टार्ट न हो सके, वही स्टार्टअप

आलोक पुराणिक

एक नए स्टार्टअप ने एक पुरानी कंपनी को खरीद लिया, यह कुछ इस तरह की बात हुई कि एक बछड़े ने वरिष्ठ गाय को अपना इम्प्लाई बना लिया टाइप्स। बायजूस ट्यूशन के धंधे की सबसे बड़ी कंपनी मानी जा सकती है भारत में ऑनलाइन ट्यूशन का काम है बाजयूस का, इस कंपनी ने एक पुरानी ट्यूशन कंपनी आकाश को खरीद लिया। आकाश वाले सचमुच की क्लासों में ट्यूशन पढ़ाते थे, बायजूस की महारथ ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाने की है। ऑनलाइन वाला सचमुच को टेकओवर कर लेगा, यह बराबर साफ हो रहा है। दूरदराज के गोलगप्पे मोहल्ले में जोमाटो के जरिए आ रहे हैं, ऑनलाइन आर्डर करके। लोकल गोलगप्पे वाले बेरोजगार टाइप हुए जा रहे हैं। ऑनलाइन आना जरूरी है। कविता वही हिट है, जो ऑनलाइन है। ऑफलाइन कवि सम्मेलन बंद हो लिए हैं।

नए ऑनलाइन स्टार्टअप पुराने ऑफलाइन सचमुच के कारोबारों को टेकओवर कर रहे हैं, दे दनादन। स्टार्टअप है क्या, प्रॉफिट के मामले में जो कारोबार स्टार्ट ही न हो पा रहे हैं, पर जिनकी वैल्यू बहुत है, ऐसे कारोबारों को स्टार्टअप कहते हैं। कई बहुत बड़े स्टार्टअप ब्रांड अभी प्रॉफिट न कमा पा रहे हैं, पर उनकी कीमत बाजार में बहुत है। कमाई निल, पर कीमत का बिल बहुत ज्यादा आता है। मामला कुछ-कुछ अभिषेक बच्चन जैसा है, कमाई नहीं है, फिल्में अरसे से हिट न हुईं, पर कीमत में कोई कमी नहीं है, वैल्यू चकाचक है। अमिताभ बच्चन पीछे खड़े हैं। ऐसे ही स्टार्टअप के पीछे बड़े-बड़े कारोबार खड़े हैं, आज नहीं तो कल कमाई होगी। इसी उम्मीद पर स्टार्टअप में इनवेस्टमेंट हो रहा है। अभिषेक बच्चन स्टार्टअप मोड में हैं, अभी स्टार्ट न हो पा रहे हैं। जो स्टार्ट हो जाए, उसे नार्मल कारोबार मान लिया जाता है, इज्जत स्टार्टअप की है, घाटे की है। मुनाफे में आकर स्टार्टअप का वह फैक्टर खत्म हो जाता है, जिसे एक्स फैक्टर कहा जाता है।

पोनीटैलधारी पुरुष, बड़ा घाटा, उससे भी बड़ी बातें- यह सब स्टार्टअप के लक्षण है। मुनाफेवाले धंधे स्टार्टअप न हो सकते। सीधे-सीधे धंधे स्टार्टअप न हो सकते ज्यादातर मामलों में, जैसे कनाट प्लेस में चाय की दुकान खोलेंगे, यह आइडिया रिजेक्ट है, स्टार्टअप की दुनिया में। मंगल ग्रह पर जाकर स्टार्टअप शुरू किया जाएगा, जो चाय बेचेगा, यह आइडिया हिट है, स्टार्टअप में। कौवे की मूंछें काटकर विशिष्ट कलाकृति बनाई जाएगी, यह इसका स्टार्टअप हो सकता है। आइडिए में एक्स फैक्टर होना चाहिए, एक्स फैक्टर का एक मतलब बेवकूफी से भी लगा सकते हैं।

स्टार्टअप अगर जल्दी स्टार्ट हो जाए, प्रॉफिट के मामले में तो उसे स्टार्ट नहीं कहा जा सकता। स्टार्टअप एक तरह से बजाज का सत्तर के दशक का स्कूटर टाइप कुछ यंत्र है, जो कई बार स्टार्ट होने से इनकार कर देता था। दे किक पर किक घूं-घूं की कुछ आवाज फिर ठप्प। इसी तरह से स्टार्टअप आवाज बहुत करते हैं।

हनुमान जी का कर्जदार है गांव: बरकत के रूप में मंदीर समीती की राशि कर्ज लेकर करते है व्यापार व नवीन कार्य

कर्ज लेने के बाद राशि को जहां भी निवेश करते है होता है मुनाफा

माही की गूंज, रतलाम।

यू तो हर मन्दिर व हर भगवान के साथ एक कहानी जुड़ी होती है जो कई मंदिरो को विशेष बनाते हैं और लोगो की आस्था का बड़ा विषय बन जाते हैं। ईश्वर (भगवान) की मेहरबानी से पूरी दुनिया चल रही है, यह इस दुनिया पर भगवान का सबसे बड़ा कर्ज है। लेकिन हम यहां एक ऐसे कर्ज की बात कर रहे जो रुपयों का है। मध्य प्रदेश के रतलाम के एक गाँव के लगभग सभी निवासियों ने भगवान हनुमान से रुपयों का कर्ज ले रखा है। सभी भगवान हनुमान के कर्जदार है ओर सभी कर्जदार बाकायदा भगवान हनुमान को सालाना ब्याज भी देते है।

लगभग ढाई हजार की आबादी वाला है यह गांव

रतलाम से 6 किलोमोटर दूर इस गाँव मे है भगवान शिव हनुमान मंदिर और पूरा गांव ही इस मंदिर में स्थापित भगवान हनुमान जी से रुपयों का कर्ज लेते है। भगवान हनुमान जी से गांव के लोगो का कर्ज लेने का यह सिलसिला लगभग 35 वर्ष पहले शुरू हुआ था जो आज भी जारी है। 35 वर्ष पहले शिवरात्रि पर इस मंदिर पर यज्ञ का आयोजन शुरू हुआ था। यज्ञ के लिए राशि ग्राम के लोगो ने ही एकत्रित की थी। तब आज जैसा भव्य मंदिर नही था। एक छोटा सा ओटला था और उसी ओटले पर भगवान हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित थी। इस यज्ञ में जितना खर्च होता है। उसके बाद बच जाने वाली राशि को किस उपयोग में लिया जाए, यह आयोजन समिति तय नही कर पा रही थीं। तभी एक सुझाव आया कि, बची हुई राशि गांव के जरूरतमंद लोगों को कर्ज के रूप में दी जाए और उनसे सलाना ब्याज ले लिया जाए। इस सुझाव पर अमल के लिए मन्दिर में ग्रामीणों की एक समिति बनी और यही समिति यज्ञ के बाद बची हुई राशि को लोगो को कर्ज के रूप में देकर उनसे ब्याज वसूलने लगी। ब्याज की राशि का उपयोग मंदिर समिति द्वारा मंदिर निर्माण में लिया गया और आज ब्याज की राशि से ही भव्य शिव हनुमान मंदिर खड़ा है। तब से आज तक भगवान हनुमान जी से गांव के लगभग हर परिवार ने कर्जा लिया है। समिति द्वारा कर्ज की भी सीमा तय की हुई है। सबसे कमजोर व्यक्ति को 1 हजार 5 सौ रूपए, मध्यमवर्गीय को 2 हजार रूपए ओर अमीर को 3 हजार रूपए की राशि कर्ज के रूप में दी जाती है जिसका सालाना 2 प्रतिशत ब्याज लगता है।

हर नया काम भगवान से कर्ज ले कर करते हैं ग्रामीण, बिगड़ते काम भी बन जाते हैं

ग्रामीणों का मानना है कि, वो कोई भी काम या आयोजन भगवान हनुमान जी से कर्ज लेकर ही करते है। इसके पीछे ग्रामीणों की सोच है कि, जिस काम के लिए कर्ज लिया है वो काम भगवान हनुमान जी की कृपा से सफल होता है। इसी सोच के कारण गांव में किसी के यहां शादी हो या अन्य कोई कार्य सबसे पहले उस काम के लिए राशि भगवान हनुमान जी से ही लेते है। जो भी राशि दी जाती है बकायदा उसको प्रामेशरी नोट पर लिखाया जाता है। कर्जदार को साल भर में कर्ज चुकाना जरूरी नही है लेकिन उसका ब्याज साल भर में एक बार होली पर जमा कराया जाता है। गरीब के अलावा गाँव के संपन्न लोग भी कर्ज लेते है। ऐसी मान्यता भी है कोई भी नया या शुभ कार्य गाव के ग्रामीण भगवान से लिए कर्ज से ही शुरू करते हैं और बिगड़े कार्य भी सफल हो जाते हैं।

नौ क्विंटल डोडाचूरा की हेरा-फेरी, तीन आरोपी गिरफ्त में, चालक फरार

माही की गूंज, मंदसौर।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने एक कंटेनर में भरकर ले जाया जा रहा नौ क्विंटल डोडाचूरा जब्त किया है। डोडाचूरा ले जाने के लिए कंटेनर के अंदर एक विशेष चेंबर बनाया गया था। कंटेनर चालक पुलिस को देखकर फरार हो गया। वहीं कंटेनर के आगे कार से पायलटिंग कर रहे मंदसौर जिले के तीन आरोपितों को पुलिस ने पकड़ा है।

चित्तौड़गढ़ एसपी राजेंद्रप्रसाद गोयल ने बताया कि, निम्बाहेड़ा थाने के एएसआई मुरलीदास, आरक्षक सज्जनसिंह, सोनाराम, रतनसिंह ने जलिया चेकपोस्ट पर नाकाबंदी की। इसी दौरान नीमच तरफसे आई कार एमपी 14 सीसी 1601 को रोका। कार मे तीन लोग बैठे थे। इनके पीछे ही कंटेनर आरजे 18 जीए 9326 थी। कार को पुलिस द्वारा रोका हुआ देखकर चालक, कंटेनर को दूर खड़ाकर ही भाग गया। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली, इस दौरान कंटेनर अंदर खाली मिला। बारीकी से तलाशी ली तो केबिन के पीछे कंटेनर की बाडी में अंदर एक पार्टीशन जैसा दिखा। इस पर फाटक था और उसे खोलने के लिए कंटेनर के नीचे चेसीस पर लगी राड के पास लीवर लगा था। पार्टीशन को खोलने पर अंदर तलाशी में 45 प्लास्टिक के कट्टे में भारा नौ क्विंटल डोडाचूरा मिला।

कार से कंटेनर के आगे पायलेटिंग कर रहे गोपाल पाटीदार पुत्र चंपालाल पाटीदार (47) निवासी बालागुड़ा थाना पिपलियामंडी, राजेंद्रसिंह पुत्र गोविंदसिंह सौंधिया (32), मुकेशसिंह पुत्र नाहरसिंह सोंधिया (32) दोनों निवासी काचरिया कदमाला थाना नारायणगढ़ को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रकरण में आरोपितों से डोडाचूरा खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

एक विवाह ऐसा भी... लगे इंक़लाब जिंदाबाद के नारे

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के भानपुरा तहसील की ग्राम पंचायत ढाबला माधोसिंह में एक अनोखा विवाह हुआ, विवाह में इंक़लाब जिंदाबाद के नारे लगे। ढाबला माधोसिंह के निवासी कुंवर गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने अपने विवाह पर महान पराक्रमी महाराणा प्रताप और शहीद-ए-आज़म भगत सिंह को याद किया।

गौरतलब हैं कि, इस अनोखे वैवाहिक समारोह में नवयुगलों ने महान पराक्रमी महाराणा प्रताप और शहीद-ए-आज़म भगत सिंह को साक्षी मानते हुए उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए अपने नवजीवन संगनी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का वचन दिया।

इस अनोखे विवाह के दौरान दुल्हे के पिता शंभुसिंह राठौड़ ने कहां कि, शहीदों को याद करने की सोच हमें उनके त्याग बलिदान की याद दिलाती हैं, दुल्हा बने गजेन्द्र सिंह ने कहां कि, बचपन से में महान पराक्रमी महाराणा प्रताप और महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आज़म भगत सिंह को पढ़ा और जाना, इसीलिए जीवन के इस महत्वपूर्ण अवसर पर उन्हें साक्षी मानकर व उनके आर्शिवाद के साथ नवजीवन की शुरुआत करना बेहतर समझता हूँ।

दुल्हन मधु कुंवर ने कहा कि, इस तरह का विवाह करके मैं धन्य हो गई। इस दौरान वर-वधु पक्ष के पारिवारिक सदस्यों ने भी दोनों को आर्शिवाद दिया और इंक़लाब जिंदाबाद के नारे से पुरा परिसर गुंज उठा।

खुली पड़ी विद्युत डीपी से दुर्घटना का अंदेशा

माता पोल गेट मार्ग पर बिखरा पड़ा क्षतिग्रस्त भवन का मलबा

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

नगर के कचहरी चौक के पास माता पोल गेट मार्ग पर विद्युत पोल पर लगी जमीन से महज दो से तीन फीट की ऊंचाई पर खुली डीपी दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही है। साथ ही जिस स्थान पर रोड किनारे डीपी लगी है उक्त स्थान पर क्षतिग्रस्त भवन का मलबा बिखरा पड़ा है जो आधे मार्ग तक फैला हुआ है, जिसके चलते यहां गंदगी व्याप्त रही है। वर्षा काल भी प्रारंभ हो गया है ऐसे में बिखरे पड़े मलबे में जहरीले जीवो का खतरा भी निर्मित होगा। इन दोनों समस्याओं के चलते आस-पास के रहवासी परेशान है।

कचहरी चौक के पास माता पोल गेट मार्ग पर विद्युत विभाग की लापरवाही से विद्युत पोल पर लगी डीपी लंबे समय से खुली पड़ी है। जो जमीन से महज दो से तीन फीट ऊंचाई पर लगी है। बारिश का मौसम प्रारंभ हो चुका है ऐसे में खुली डीपी के चलते रहवासी क्षेत्र होने से कभी भी गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती है। जिस स्थान पर विद्युत डीपी लगी है उसके आस-पास क्षतिग्रस्त भवन का मलबा बिखरा होकर माता पोल गेट मार्ग पर सीसी रोड तक बिखरा होने से वाहनों के आने-जाने मैं परेशानियों के साथ ही आस-पास गंदगी व्याप्त रहने से रहवासियों को भारी समस्याओं की का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त भवन के मलबे में बारिष के मौसम में जहरीले जीव का खतरा भी उत्पन्न हो जाएगा। रहवासियों ने विद्युत विभाग के जवाबदारो से खुली डीपी को सुरक्षित किए जाने एवं नगर परिशद प्रषासन से माता पोल गेट मार्ग पर व्याप्त भवन के मलबे वह गंदगी को हटाए जाने की मांग की है।

ऑनलाईन ब्लैकमेल कर ठगी करने वाले बदमाश गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

पुलिस ने साइबर क्राइम करने वाले गिरोह के दो सदस्य को गिरफ्तार किया है। जिसमें हरियाणा के मेवात की शातिर गैंग के सदस्यों की गिरफ्तारी से खुलासा हुआ है कि, सोशल मीडिया पर यह गिरोह लड़कियों के नाम से प्रोफाइल बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था।

ऐसे करते थे धोखाधड़ी

यह गिरोह फर्जी नाम से सिम लेकर और बैंक खातों के जरिए दोस्ती का जाल फैलाकर ठगी की घटनाओं को अंजाम देता था। युवतियों के नाम से प्रोफाइल बनाकर दोस्ती करते थे और फिर ब्लैक मेलिंग कर लोगों से पैसे ऐंठते थे।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि, सोशल मीडिया के जरिए की गई दोस्ती के दौरान वे सतर्क रहें ओर ऐसे ठगों के जाल में ना फंसे। कोतवाली टीआई अमित सोनी ने बताया कि, मंदसौर शहर में एक अधेड़ से युवती द्वारा सोशल मिडिया पर दोस्ती कर ब्लैक मेलिंग कर 2 लाख रूपए की ठगी का एक मामला दर्ज किया गया था। जिसकी तफ्तीश करते हुए राजस्थान के अलवर भरतपुर जिले से दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी गिरफ्तारी से यह खुलासा हुआ कि, यह लोग फर्जी नामों से सिम खरीदते थे, ये ही नहीं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते भी खोले जाते थे। इन्हीं के जरिए ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया जाता था। युवतियों के नाम से सोशल मीडिया पर प्रोफाइल बनाते थे और लोगों को फांसने के बाद ब्लैकमेल करते थे। इस गिरोह के तार हरियाणा के मेवात से जुड़े हुए है।

आरकेएसके साथिया का हुआ शत-प्रतिशत कोविड टीकाकरण

माही की गूंज, झाबुआ। जिले में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम स्तर पर जुड़े 18 वर्ष से अधिक उम्र के किशोर-किशोरी 'साथिया' ने स्वयं का शत-प्रतिशत कोविड-19 टीका लगवाकर जनसमुदाय को जागरूक किया। कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में कुल 362 साथिया ऐसे है जो 18 वर्ष से अधिक उम्र के है, महा अभियान के दौरान 352 साथिया का प्रथम डोज वैक्सीनेशन पूर्ण हो चुका है। आदिवासी आंचल होने के कारण ग्रामीणों में कोरोना वायरस से बचाव हेतु लगने वाले टीके को लेकर भ्रांतियां व्याप्त थी, इन भ्रांतियों को दूर करने के लिए कार्यक्रम अंतर्गत जुड़े परामर्शदाता तथा प्रशिक्षक ग्राम स्तर पर साथिया के साथ मिलकर घर-घर जाकर 20430 लोगों को कोविड-19 टीका लगवाने हेतु जागरूक करने का कार्य किया।

अनलॉक के बाद मंहगाई का वार: दुकानें खुलने के बाद उम्मीद के अनुसार ग्राहक न आने से व्यापारी चिंतित

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

लगातार लंबे समय तक जारी कोरोना कर्फ्यू (लॉकडाउन) के बाद जिला टोटल अनलॉक हो गया है। अब मंहगाई के रूप में नए लॉकडाउन से लोगों का सामना शुरू हो गया है। बिगड़ी अर्थव्यवस्था के साथ मंहगाई के वार से घर-बाहर लोगों की जेब पर मार पड़ना शुरू हो गई है।

14 अप्रैल से 1 जून तक बाजार में तालाबंदी से कारोबार पर पूरी तरह से ब्रेक लगा रहा है। अब अनलॉक होने पर दुकानें तो खुल गईं पर ग्राहकों के कम संख्या में आने से व्यापारी चिंतित हैं, वहीं मंहगाई बढ़ने से खरीददारों की जेब हल्की पड़ने लगी है। अनलॉक के साथ ही रसोई गैस व पेट्रोल-डीजल के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। अनलॉक मोड में मांग की तुलना में उत्पादन में कमी का असर वस्तुओं के दामों पर दिखाई देने लगा है। देखा जाए तो इन दिनों डीजल-पेट्रोल के दामों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी होने से माल की ढुलाई मंहगी हो गई है। जिसका असर किराने के सामान से लेकर हर उपयोगी वस्तु पर पड़ने से तेल-घी, दाल-चावल, शक्कर सब कुछ पहले की तुलना में महंगा हो गया है। कोरोना संक्रमण से बचाव के मापदंडों के पालन की शर्तों सहित मंहगे डीजल-पेट्रोल के कारण लोकल ट्रांसपोर्टेशन में किराया बढ़ाने की मांग उठने लगी है। यदि माल भाड़ा बढ़ता है तो मंहगाई को और भी पर लग जाएंगे। नगरीय आवागमन के साधनों में टेंपो व टैक्सी में भी किराया बढ़ेगा, जो सीधे तौर पर उनकी जेब पर ही भारी पड़ने वाला है। कोरोना संक्रमण के बीच अब हर वर्ग के लोगों को मंहगाई का संक्रमण सताने लगा है। लोगों का कहना है कि, आगे जाकर भले ही कोरोना का संक्रमण काबू में आ जाए पर मंहगाई का संक्रमण यदि एक बार बढ़ गया तो इसे काबू में करना मुश्किल होगा।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाला सूदखोर गिरफ्तार

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)

वर्तमान परिदृश्य में आजीविका के साधनों की पूर्णता को लेकर लगातार जनमानस कार्यरत है, वही कभी-कभी आर्थिक मंदी के चलते रुपए पैसों का लेन-देन या उधारी लेकर जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। परंतु उधारी के पैसों की मांग और उस पर लगातार ब्याज लगाकर सूदखोरों द्वारा अवैध रूप से धन अर्जित करने के चलते एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या करने जैसा संगीन मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने उधारी के पैसे के लिए दी जा रही प्रताड़ना से तंग आकर अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर ली।

मामला संज्ञान में आते ही जिला पुलिस कप्तान द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक मनकामना प्रसाद व एसडीओपी ब्यावरा सुश्री किरण अहिरवार के मार्गदर्शन में मामले की सूक्ष्मता से जांच करने हेतु एक टीम तैयार कर उन्हें कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। बोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम हरलाय के निवासी जो वर्तमान में पचोर क्षेत्र में निवासरत थे, नारायण सिंह पिता कंवरलाल नागर का शव ब्यावरा शहर में होटल एसी में मिलने पर ब्यावरा शहर पुलिस द्वारा मामले से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ब्यावरा शहर के थाना प्रभारी एवं थाना पंचोर के थाना प्रभारी निरीक्षक डीपी लोहिया को टीम गठित कर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर सूक्ष्मता से जांच कर कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया।

घटनास्थल होटल एसी लाज में मृतक नारायण सिंह नागर के शव के पास प्राप्त सुसाइड नोट एवं संकलित साक्ष्यों के आधार पर साक्षीगणों से पूछताछ की जाने पर काफी सारी बातें निकालकर सामने आई। दरअसल मृतक नारायण सिंह निवासी ग्राम हरलाय जो वर्तमान में पचोर में निवासरत था। पैथोलाजी का कार्य करने के साथ-साथ उनके द्वारा कुछ कंपनियों में पैसा भी निवेश किया था, कंपनी का पैसा डूब जाने से कर्ज में आ जाने के कारण मृतक द्वारा राजेश भारती निवासी पचोर से ब्याज पर पैसा लेकर अपना कर्ज चुकाया था। इस कर्ज को उतारने के उनके द्वारा किस्तों में पैसा दिया जा रहा था, वहीं सूदखोर राजेश भारती द्वारा मृतक नारायण सिंह से ब्याज की दर बढाकर अधिक पैसों की मांग की जाकर जल्दी से जल्दी ब्याज का पैसा चुकाने के लिए लगातार प्रताड़ित किया जाना जांच में सामने आया। लगातार दी जा रही प्रताड़ना से कुपित होकर 27 मई को होटल एसी लाज ब्यावरा में आकर नारायण सिंह ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली और सुसाईड नोट में अपनी मृत्यु का स्पष्ट कारण राजेश भारती द्वारा प्रताड़ित करके पैसा चुकाने का दबाव बनाना बताया। दबाव के चलते उसके साथी बालकिशन सेन निवासी पचोर ने भी पचोर में रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर आत्महत्या कर ली। जिसपर पर से मर्ग पंजीवद्ध कर जीआरपी थाना पचोर द्वारा पृथक से जांच की जा रही है।

जांच के दौरान आरोपी राजेश भारती उर्फ हरीश भारती (41) निवासी न्यू कालोनी हनुमान मंदिर रोड पचोर के विरूद्ध मृतक से लगातार अधिक ब्याज लगाकर पैसों की मांग मृत्यु सम्बन्धी उकसाने के साक्ष्य सामने आने पर आरोपी राजेश भारती के विरूद्ध थाना ब्यावरा में अपराध क्रमांक 373/21 धारा 306 भादवि 3/4 ऋणियों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला पंजीवद्ध किया जाकर तत्काल ही आरोपी राजेश भारती उर्फ हरीश भारती को गिरफ्तार किया गया।

फरार हुए गौ तस्कर, पाँच गौवंश की हुई मौत

वाहन पर राम का नाम लिखकर की जा रही थी तस्करी

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय केवट

गौतस्करी की सूचना प्राप्त होने के बावजूद भी आखिर क्यों हर बार गौ तस्कर पुलिस की पकड़ से बाहर हो जाते है? शुजालपुर से करीब 3 किलोमीटर शुजालपुर-ऊगली जोड़ पर एक पिकप बोलेरो एमपी 42 जी 3715 जिसमें गौवंश की तस्करी की जा रही थीं। सूचना मिलते सिटी थाना पुलिस ने गौ तस्कर का पीछा कर गाड़ी ओर पशु तो जप्त कर लिए लेकिन तस्कर फरार हो गए। ऐसा एक बार ही नहीं हुआ बल्कि पिछली बार भी तस्कर आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे।

पुलिस थाना शुजालपुर से प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस को तस्करी की सूचना मिली थी कि, गौवंश को कालापीपल के रास्ते महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जा रहा था। वाहन तक पहुंचने से पहले ही वाहन खायी में पलटी खा गया और अज्ञात तस्कर मोके से फरार हो गए। गाड़ी में 10 गौवंश को ठूँस-ठूँस कर भर रखा था जिसमे से 5 की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी में पीछे सब्जी के केरेट और गाड़ी पर भगवान श्री राम का नाम लिखकर तस्करी की जा रही थी। जबकि गाड़ी किसी सलमान खान ग्राम रसलपुर पोस्ट पनवाड़ी जिला शाजापुर के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुलिस द्वारा कार्रवाई के तौर पर गोवंश वध धारा 4, 6 ,9, 5/11 11/1 घ और 429 धारा के तहत अज्ञात में मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

न्यूज ब्रीफ

कृषि विभाग की टीम ने दी किराना दुकान पर दबिश

अवैध बीज मिलने पर दुकानदार के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

माही की गूंज, बड़वानी। उप संचालक कृषि केएस खपेड़िया ने बताया कि, जिले में अवैध बीज भण्डारण की सूचनाएं प्राप्त होने पर गठित टीम द्वारा विकासखण्ड राजपुर के ग्राम ठान में मंगलवार को निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्राम के जय महांकाल किराना दुकान पर किसानों की भीड़ मिलने पर किराना दुकान में दबिश दी गई। इस दौरान दुकान से मक्का बीज 148 किलो व बीटी काटन हायब्रिड के 15 पैकेट मिले। टीम द्वारा दुकानदार महेश पिता मिश्रीलाल गुप्ता से बीज विक्रय करने के संबंध में लायसेंस की पूछताछ करने पर उसने बताया कि, उसके पास बीज विक्रय व भण्डारण का लायसेंस नही है।

टीम के कृषि विकास अधिकारी रामलाल सांवले द्वारा मक्का बीज 148 किलो व बीटी काटन हायब्रिड के 15 पैकेट को जप्त कर, दुकानदार के विरूद्ध एफआईआर की दर्ज करवाई गई।

ग्रामीण विकास कार्यों की हुई समीक्षा

माही की गूंज, खरगोन। नवीन कलेक्टर सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी. की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जनपद सीईओ के अलावा संबंधित शाखाओं के परियोजना अधिकारी, कार्यपालन यंत्री और उपयंत्री उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम के कार्यों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम को लेकर कलेक्टर ने कहा कि मनरेगा के कनसर्जन के साथ कई योजनाओं पर कार्य किया जा सकता है। आदर्श ग्राम में केवल सीसी रोड़ बना देना ही काफी नहीं है बल्कि हर स्तर पर विकास नजर आना चाहिए। आदर्श ग्राम ऐसा हो जहां जाकर ऐसा महसूस हो कि, वास्तव में अन्य गांव से कुछ अलग है आदर्श ग्राम। यहां आंगनवाड़ी केन्द्रों पर शत प्रतिशत उपस्थिति के साथ केन्द्र में साफ-सफाई भी समोचित रूप से दिखाई देनी चाहिए। जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम के कार्यों की प्रस्तुति पीपीटी के माध्यम से की। उन्होंने बताया कि, गोगांवा के खेड़ीखूर्द में तीन सीसी रोड़ गुजारी में भी तीन सीसी रोड़ और चिचलाई में आंगनवाड़ी वर्मी कंपोष्ट और सीसी रोड़ के लिए 18 लाख 50 हजार रूपए स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूर्व में स्वीकृत आवासों में बची हुई किस्त जारी करने के लिए निर्देश देते हुए कार्य पूर्ण कराने की समय सीमा निर्धारित की गई।

जिला पंचायत सीओ गौरव बेनल ने प्रधानमंत्री आवास संबंधि उपयंत्रीयों को द्वितिय और तृतीय किस्त जारी करने के संबंध में विस्तृत निर्देश दिए। भगवानपुरा के संदर्भ में उपयंत्री से कहा कि, 48 हितग्राहियों को तीसरी किस्त जारी हो गई है, उनके आवासों के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करवाए।

आज जिले के 112 केन्द्रों पर किया जाएगा टीकाकरण

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में चल रहे वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत आज जिले के 112 केन्द्रों पर कोरोना वैक्सीनेशन किया जाएगा। इस दौरान 12 हजार लोगों को टीका लगवाने की व्यवस्था की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे से प्राप्त जानकारी अनुसार शहीद भीमा नायक महाविद्यालय बड़वानी, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 बड़वानी, शुभम पैलेस बड़वानी, आंगनवाड़ी केन्द्र पानवाड़ी मोहल्ला बड़वानी, डॉ. दिलदार खां कॉम्प्लेक्स बड़वानी, बड़वानी मोबाईल सेशन, सेंधवा, मोबाईल सेशन सेंधवा, उप स्वास्थ्य केन्द्र कुण्डिया, उप स्वास्थ्य केन्द्र मेंदलियापानी, उप स्वास्थ्य केन्द्र गेरूघाटी, उप स्वास्थ्य केन्द्र जामटी, उप स्वास्थ्य केन्द्र बाखरली, खोखरी, चिरमिरिया, उप स्वास्थ्य केन्द्र देवली, उप स्वास्थ्य केन्द्र धमनिया, उप स्वास्थ्य केन्द्र मोहनपुरा, उप स्वास्थ्य केन्द्र धनोरी, कालापाट, उप स्वास्थ्य केन्द्र कामोद, कमोदवाड़ा, किड़ीअम्बा, किरचली, उप स्वास्थ्य केन्द्र कोटकिराड़ी, कुंभखेत, लंगड़ी मोहली, उप स्वास्थ्य केन्द्र लवानी, उप स्वास्थ्य केन्द्र झिरीजामली, वरला, बलवाड़ी, धनोरा, चाचरिया, प्राथमिक शाला राजपुर, बालिका हायर सेकेण्डरी स्कूल राजपुर में 2 केन्द्र, मुस्लिम जमात मदरसा राजपुर, उपला, साली, इन्द्रपुर, सिदड़ी, मोजाली, निहाली, मुण्डला, रूई, टाकली, जाहूर, बघाड़, पानसेमल, धवड़ी, बायगौर, शिवनी पड़ावा, राईखेड़, टाकली (पानसेमल), निवाली, भूरापानी, कुंजरी, साकड़, गवाड़ी, जोगवाड़ा, चाटली, कुसमिया, तलाव, पिपलधार, जामनिया निवाली, फुलजवारी, पखालिया, जूनाझीरा, गोलपाटीवाड़ी, बेड़दा, सांवरियापानी, कण्ड्रा, वेगलगांव, वेदपुरी, भूराकुआं, रसगांव, रेहगुन, कल्याणपुरा, बड़वानी खुर्द, भामटा, पाल्या, बड़गांव, अंजड़, मुस्लिम जमात अंजड़, ठीकरी, मण्डवाड़ा, जरवाह, भमोरी, चकेरी, उचावद, आंवली, छापरी, अभाली, सेगवाल, उमरदा, केरवा, घटवा, दवाना, बड़गांव, रणगांव डेब, मदरानिया, रूपखेड़ा, कालापानी, ब्राम्हणगांव, पिपलिया डेब, हरिबड़, सुराना, तलवाड़ा डेब, दाभड़, खुरमपुरा, विश्वनाथखेड़ा, बरूफाटक में कोरोना का टीकाकरण किया जाएगा।

मनरेगा में नाबालिग से काम करवा रही ग्राम पंचायत जामली

बिना नियम और मापदंड के खोद दिए कंटूर, फर्जी मस्टर के बाद आया गंभीर मामला सामने, शिकायत के बाद नही हुई कार्रवाई

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायत जामली में विगत दिनों नोकरी कर रहे कोटवालो को मनरेगा योजना में मजदूरी भुगतान करना बताया गया था। जिसकी शिकायत के बाद भी जिम्मेदारो के कानों तक जुं तक नहीं रेंगी ओर मामला को दबाया जा रहा है। ग्राम पंचायत जमाली के सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक की लापरवाही और मनमानी का एक ओर गंभीर मामला सामने आया है। यहां ग्राम पंचायत में विगत दिनों मनरेगा योजना अंतर्गत कंटूर खोदने का कार्य किया गया जिसमें ग्राम पंचायत ने नाबालिक बच्चों से कार्य करवाया, उक्त कार्य मे नाबालिक बच्चों के काम करवाया जा रहा था, मौके पर कुछ लोगो ने नाबालिक बच्चों के काम करते हुवे वीडयो बनाए तो वहां काम

करवा रहे लोगो ने बच्चों को भगाना शुरु कर दिया। बच्चों से इस प्रकार मनरेगा में मजदूरी करवाने का मामला अत्यंत ही गंभीर है लेकिन भ्रष्टाचार में डूबे सरपंच सचिव अपने जनपत मे बैठे आका के दम पर आए दिन शासकीय योजनाओं में भ्रस्टाचार कर रहे हैं।

बिना मापदंड के खोदे गए कंटूर

ग्राम पंचायत जामली द्वारा राजस्व विभाग की शासकीय भूमि को पंचायत के कब्जे में लेने की नीयत से कन्टूर खुदवा दिए गए जो कि, बिना मापदंड के खोदे गए, कंटूर के स्टीमेट में दी गई गहराई, लंबाई-चौड़ाई किसी का भी धयान नही रखा गया और कार्य की इतिश्री कर दी। इतना ही नही शासन की राशि का दुरुपयोग करते हुए उक्त भूमि में बिना पानी चौकीदार की व्यवस्था के पौधे लगा दिए जो कुछ ही दिनों में जानवरों द्वारा नष्ट कर दिए गए।

अब तक नही हुई कार्रवाई

लगभग 20 दिनों पूर्व ग्राम पंचायत जामली के सरपंच ओर रोजगार सहायक द्वारा फर्जी मस्टर भर के सरकारी नोकरी करने वालो को पिछले 5 वर्षो से मजदूरी का भुगतान किया जा रहा था। प्रमाण स्वरूप शिकायतकर्ता द्वारा ऑनलाइन मस्टर तक दिए गए जिसमे हाजरी कोटवालो की भरी है। इस संबंध में सीईओ पेटलावद द्वारा कोई जांच नही की गई। वही तहसीलदार साहब को की गई शिकायत के संबंध तहसीलदार जितेंद्र अलावा का कहना है कि, जनपत सीईओ द्वारा जांच कर रिपोर्ट अब तक नही भेजी है उनकी रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। शिकायत पर अधिकारियों की धीमी गति की चाल बता रही है कि, ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रस्टाचार के पीछे जनपद के जिम्मेदार अधिकारी का पूरा सहयोग है।

इलाज के नाम पर नाबालिग युवती के साथ किया बलात्कार, केरल निवासी आरोपी वैद्य गिरफ्तार

पिछले चार वर्ष से रतलाम में चला रहा था अस्पताल

माही की गूंज, रतलाम।

पुलिस अपराधियों पर कितना भी लगाम लगा ले, लेकिन अपराधी है कि रतलाम पुलिस के लिए हर बार नई चुनोती पेश कर अपराध करने से बाज़ नही आते है। शहर में एक नाबालिग युवती का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज करने के नाम पर बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी वैद्य के विरुद्ध बलात्कार और पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

केरल निवासी वैद्य अब्दुल गुरक्कल पिछले कुछ वर्षो से जवाहर नगर में धन्वन्तरि क्लिनीक के नाम से आयुर्वेदिक अस्पताल चलाता है। एक सौलह वर्षीय नाबलिक युवती पिछले करीब एक डेढ वर्ष से उससे इलाज करवा रही थी। रविवार को उक्त युवती ने औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने पर पहुंचकर बताया कि, शनिवार को जब वह वैद्य अब्दुल के पास इलाज कराने गई थी तो अब्दुल ने उसके साथ अश्लील हरकतें करते हुए उसके साथ बलात्कार किया।

औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने युवती की शिकायत पर वैद्य अब्दुल के खिलाफ बलात्कार की धारा 376 के साथ पाक्सो एक्ट की धाराओं के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर आरोपी अब्दुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाताया जाता है कि, वैद्य अब्दुल मूल रुप से केरल का निवासी है और चार-पांच वर्षो से रतलाम में रह कर आयुर्वेदिक चिकित्सालय चला रहा है।

थाना प्रभारी ओपी सिंह औद्योगिक थाना क्षेत्र ने बताया कि, कल हमे सूचना मिली थी कि कालीकट केरल का रहने वाला एक डॉक्टर अब्दुल करके है, जिसके पास पंचकर्म की कोई डिग्री है। एक लड़की है जिसको मिर्गी की बीमारी थी उसका इलाज करवाने गए थी। उस लड़की ने शिकायत की है कि उसके साथ डॉक्टर ने दुष्कर्म किया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी वेध (डॉक्टर) को गिरफ्तार कर लिया और मामले की विवेचना जारी है।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने पेटलावद मे दिया ज्ञापन

माही की गूंज, पेटलावद।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतिय आव्हान पर बुधवार को मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की तहसिल इकाई द्वारा अपनी तीन सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु पेटलावद तहसिलदार जितेंद्र अलावा को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा निवेदन किया गया कि, शासन द्वारा प्रदेश के शिक्षक संवर्ग की अत्यंत न्यायोचित है, संघ ने लंबित मांगों का निराकरण अतिशीध्र किए जाने की मांग की है जिसमे प्रमुख रूप से लंबे समय से चली आ रही मांग सहायक शिक्षकों, शिक्षकों, प्रधानपाठको, व्याख्याताओं, प्राचार्यों, सहायक संचालकों को उनकी योग्यतानुरूप प्राप्त वेतनमान के आधार पर अपग्रेड करते हुए शासन द्वारा घोषित उच्च पदभारनीति के आधार पर एक माह के अंदर पदनाम दिया जाए और यह मांग पूर्णतः अनार्थिक है वित्तीय भार शून्य है, जबकि ग्रहविभाग, चिकित्सा विभाग ने अपने कर्मचारियों के पदनाम आदेश जारी कर दिए है।

अध्यापक संवर्ग (वर्तमान में संविलित शिक्षक संवर्ग), प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, उच्च माध्यमिक शिक्षक की न्यू पेंशन समाप्त करते हुए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए। शासन ने जुलाई 2020-2021 की वेतनवृद्धि रोक रखी है उसके आदेश शीघ्र जारी कर वेतनवृद्धि का लाभ तत्काल दिया जाए। मंहगाई भत्ता 5 प्रतिशत जो राज्य शासन द्वारा पूर्व में स्थगित कर दिया गया था उसका भुगतान भी शीघ्र किया जाए। ज्ञापन देते समय मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के अध्यक्ष भरत चौधरी, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष हीरालाल सोलंकी, सचिव कौशल सिह चौहान उपस्थित थे।

25 लाख की लागत से बनने वाला सीसी रोड गुणवत्तापूर्ण बनेगा

माही की गूंज, थांदला। नगर के वार्ड नंबर 3 में श्री अम्बिकेश्वर महादेव मंदिर से बोहरा कब्रिस्तान तक कुल 400 मीटर से अधिक दुरी के सीसी रोड़ का भूमि पूजन नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर, वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद समर्थ उपाध्याय, बोहरा समाज के आमीन साहेब, समाज सेवी अली सेठ, प्रफुल्ल तलेरा, मुर्तजा बोहरा के के द्वारा किया गया। 25 लाख की लागत से बनने वाला सीसी रोड नगर का प्रथम रोड होंगा।

नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर ने बताया कि, सीसी रोड गुणवत्तापूर्ण युक्त होंगा, इस रोड के बनने से वार्डवासियों को आने-जाने की परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। पिछले एक वर्ष के अंदर नगर के समस्त रोड पर डामरीकरण किया जा चुका है, बचे कार्य भी जल्द शुरू किए जाएंगे। नगर में पानी के निकासी हेतु नालियों का गहरीकरण का कार्य, एमजी रोड पर पेवर्स का कार्य चल रहा है, परिषद अपनी प्रतिबद्धता से नगर की जनता की सेवा कार्य हेतु संकल्पित है। नगर के विकास के साथ वार्ड में भी चहमुखी विकास कार्य निर्बाध गति से हो रहा है। नगर के बासिंदे पिछले वर्षो से वार्ड की समस्याओं से परेशान थे वर्तमान परिषद के कार्यकाल में शत, प्रतिशत समस्याओं का निराकरण कर विकास के पायदान पर वार्ड नंबर 3 की गिनती नगर में की जाती है।

पारा का बस स्टेंड अपने हालातो पर बहा रहा आंसु

माही की गूंज, पारा। गजेन्द्र सिंह चौहान

ग्राम पारा का बस स्टैंड इन दिनों अपने हालात पर आंसु बहा रहा हैं, बस स्टैंड को देख कर ऐसा प्रतीत हो रहा हैं जैसे कबाड़ खाना हो, बस स्टैंड की सुध लेने वाला कोई नहीं है। विभाग के जिम्मेदार कुंभकरणीय नींद सोए है, वही आम लोग अपने वाहनों को इधर-उधर खड़े कर ट्रैफिक अवरुद्ध करते नजर आते है। स्थानीय बस स्टैंड पिछले कई महीनों से सफ़ाई के आभाव में गंदगी की चपेट में है, कचरे के ढेर के कारण आम लोग व दुकानदार गंदी बदबू मे रहने को मजबूर हैं, दिन भर कचरे के ढेरो पर मक्खी-मच्छरों का झुंड मंडराता रहता हैं, जिसके चलते बारिश के दिनों में बीमारी फैलने का भय बना हुआ है। पुलिस पॉइंट न होने के कारण लोग अपने वाहनों को बिना पार्किंग खड़े कर यातायात व्यवस्था पूरी तरह बिगाड़ देते है, राहगीरों व वाहनों के आवागमन में बड़ी परेशानी होती हैं। इन स्थानों पर अक्सर जाम जैसी स्थिति बनी रहती है, स्थानीय बस स्टैण्ड के नीचे शंकर मंदिर प्रांगण, राणापुर व झाबुआ मार्ग, होली चौक, बोरी रोड चौराहों आदि मार्गो पर लोग कई घंटो तक अपने छोटे-बड़े वाहनों को खड़ा कर चले जाते हैं। इन मार्गो पर यात्री वाहनों के अलावा दिनभर सैकड़ों वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। कई बार रास्ता घंटो तक जाम रहता है। कई बार उक्त स्थानों पर छूट-पुट दुर्घटना भी होती रहती हैं, इन दिनों नगर की ट्रैफिक व्यवस्था पुरी तरह लड़खड़ा गई है। लड़खड़ाती ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर नवागत चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान से जानकारी लेना चाही तो उन्होंने मोबाईल उठाया और रख दिया, दोबारा एक घंटे बाद फिर लगाया तो भी जानकारी देने से बचने के लिए उन्होंने फोन ही नहीं उठाया।

हम जितने जागरूक होंगे उतने ही सुरक्षित होंगे

डॉक्टर्स-डे पर डॉक्टरों दिया संदेश

माही की गूंज, खरगोन।

कोरोना ने अपनी गिरफ्त में हर किसी को लिया है। कोरोना वायरस ने न सिर्फ परिवारों को सोचने पर मजबुर किया बल्कि डॉक्टर्स भी इस भयावह महामारी से अछूते नहीं रहे। जो डॉक्टर पहली लहर में लगातार अपनी सेवाएं देते रहे। इसके बाद वे भी संक्रमित हो गए। संक्रमण झेलने के बाद वे दूसरी लहर में मरीजों को बिलकते देख अपने आप को नहीं रोक पाए और फिर से वे अपनी सेवाएं देने लगे। खरगोन के डॉ. रविश सराफदिसंबर 2020 में संक्रमित हुए और बड़ी क्रिटिकल स्टेज में इंदौर के अस्पताल में 12 दिनों तक आईसीयू में और 3 माह तक आराम किया। तब तक दूसरी भयानक लहर का खरगोन सहित पूरे देश में आगमन हो चुका था। जिले में बिगड़ते हालात देखकर उन्होंने ने अपनी तकलीफ भूलकर फिर से नए रूप में मरीजों को राहत देने के लिए मैदान में उतर पड़े। पहली लहर में उन्होंने 4 माह तक जिला अस्पताल में घर परिवार से दूर रहकर अपनी सेवाएँ दी। दूसरी लहर में भी डॉ. सराफने हर दिन 50 से 60 मरीजों को भी देखा। जब वे संक्रमित हुए थे तो उनका पूरा परिवार भी संक्रमण से नहीं बच पाया। और इसी दौरान उनके 76 वर्षीय पिता ने अपनी अंतिम सांस ली। इसके बावजूद उन्होंने कोरोना की लहर में जो योगदान दिया वास्तव में ऐसे बिरले डॉक्टर की मौजूदगी पूरे समाज को गौरवान्वित करने वाली है। डॉक्टर्स डे पर उन्होंने नागरिकों को संदेश दिया है कि हम जितने जागरूक होंगे उतने ही सुरक्षित होंगे। तीसरी लहर से बचने के लिए मास्क, टीका और सोशल डिस्टेंसिंग भी सुरक्षा के बड़े उपाय है।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष बनने पर श्री पडियार का स्वागत

माही की गूंज, मेघनगर। राजमल पडियार को भाजपा जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर स्वागत किया गया। भाजपा के सक्रिय युवा नेता जनपद के पूर्व उपाध्यक्ष राजमल पडियार को भाजपा का जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर सहकार भारती प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व जिला सहकारी केंद्रीय बैंक संचालक, पूर्व विपणन सहकारी संस्था अध्यक्ष संजय श्रीवास, पूर्व सीसीबी संचालक सहकार भारती जिलाध्यक्ष गणेश प्रजापत, उपाध्यक्ष सागरमल जैन, जिला महामंत्री दिलीप डामोर एवं हरचंद कटारा आदि ने स्वागत किया।

कांग्रेस नेता के नेतृत्व में निकली भ्रष्टाचार की अर्थी

जनपद का घेराव कर दिया ज्ञापन, महिलाओं ने रोते हुए अधिकारियों को सुनाई खरी-खोटी

10 दिन में व्यवस्था नही सुधरी तो होगा उग्र आंदोलन- सोलंकी

माही की गूंज, रतलाम/पिपलौदा। राघवेंद्र सिंह डोडिया

आम्बा से दौलतपुरा सड़क मार्ग में हुए भारी भ्रष्टाचार के विरोध में पुर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष व कांग्रेस नेता विरेन्द्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में ग्राम आम्बा, दौलतपुरा, देवगढ़ आदि ग्राम के लोग पिपलौदा पहुंचे ओर जनपद पंचायत का घेराव किया। ग्रामीणों द्वारा बेंड-बाजो के साथ ग्राम से भ्रष्टाचार की अर्थी निकाली जिसका जनपद परिसर में दाह संस्कार किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं ने रोते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को खूब खरी-खोटी सुनाई, वही कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने ''रघुपति राघव राजा राम'' भजन का गुणगान किया। सोलंकी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जनपद सीईओ अल्पिका खान को ज्ञापन देकर 10 दिन में व्यवस्था सुधारने ने बात कही, वही जिला पंचायत सीईओ मीनाक्षी सिंह से चर्चा की जिस पर उन्होंने 8 दिन में जांच करने का आश्वाशन दिया।

ये है पूरा मामला

आम्बा ग्राम पंचायत अंतर्गत आम्बा से दौलतपुरा तहत सुदुर ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 14 लाख 99 हजार रुपए स्वीकृत हुए थे। ग्रामीणों अनुसार उक्त सड़क में धांधली कर सड़क में घटिया निर्माण कार्य किया गया, सड़क पर न ही बारिक चुरी डाली गई और न ही रोलर घुमाया गया, अभी भी कार्य अधूरा पड़ा है। बारिश मे ग्रामीणों को इस सड़क मार्ग पर काफी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा है व ज्यादा बारिश होने पर आम्बा उचित मूल्य की दुकान पर पहुंचना भी मुश्किल होता है, ऐसे में ग्रामीण राशन से भी वंचित रह जाते है। ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने पुर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष वीरेंद्रसिंह सोलंकी को अवगत करवाया था। सोलंकी तुरंत गांव पहुंचे व ग्रामीणों के साथ सड़क मार्ग का भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्या जानी व मोके पर ही सोलंकी ने अधिकारियों को इस संबंध में अवगत करवाते हुए ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की थी।

घटिया निर्माण की हो उच्च स्तरीय जांच

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि, आम्बा से दौलतपुरा सड़क मे घटिया निर्माण कार्य किया गया है करीब 15 लाख की लागत से बनने वाले डेढ़ किलोमीटर रोड का निर्माण कार्य 18 अगस्त 2020 को प्रारम्भ हुआ था जो अभी तक पूरा नही हुआ है, जबकि ठेकेदार को अभी तक करीब साढ़े नो लाख रूपए का भुगतान भी हो चुका है, ऐसे कई मामले है जिनकी उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए व इंजीनियर को तत्काल हटाने की कार्रवाई करना चाहिए।

सीईओ पर भड़के सोलंकी व ग्रामीण

ग्रामीण जब ज्ञापन लेकर जनपद पहुंचे तो सीईओ नदारत मिली, जिस पर ग्रामीण भड़क गए व नारेबाजी करने लगे। सोलंकी ने सीईओ से फोन कर चर्चा की व वस्तु स्थिति से अवगत करवाया। अंतिम समय पर जब सीईओ परिसर में ज्ञापन लेने पहुंची तो सभी को कोरोना नियम के तहत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की, जिस पर सोलंकी सहित ग्रामीण भड़क गए व कहा कि, आप पहले व्यवस्था में सुधार करे व ग्रामीणों की आप बीती सुने।

ये रहे उपस्थित

कांग्रेस नेता नन्दराम शाह, जगदीश सोलंकी, ज्ञानचंद्र जैन, महेश नांदेचा, अंतर सिंह शरण, रईस मंसूरी, प्रकाश पाटीदार, धनसिंह, भय्यू कादरी, शैलेन्द्र कटारिया, महेंद्र सिंह, जिया उद्दीन, दिलीप सिंह आंबा, सुरेशचंद्र शर्मा, जवाहरलाल सरपंच, मियाराम पाटीदार, प्रदीप कुमावत, राजेन्द्र जैन, पप्पू बैरागी, कुलदीप सिंह झाला, ग्राम दौलतपुरा के विक्रम सिंह, कचरूलाल, दिलीप निनामा, कमरू मईड़ा, प्रह्लाद सिंह, निर्मल सिंह आदि ग्रामीणों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

हत्या के बाद लाश को बोरे में भर कुप में फेंका, जाँच में जुटी पुलिस

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में हत्या के मामले रुकने का नाम नही ले रहे हैं, अज्ञात महिला के शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले को सुलझा कर आरोपी को पकड़ा ही था कि, रतलाम पुलिस को एक और बड़ी चुनोती जिले के रिंगनोद थाना क्षेत्र के गांव कांकरवा में व्यक्ति की हत्या का सनसनीखेज मामला के रूप में सामने आया है।

बोरे में शव के साथ पत्थर भर का डाला कुप में

अज्ञात हत्यारो ने हत्या के बाद लाश को पत्थरों के साथ एक बोरे में बांध कर गांव से दूर एक गहरे कुप में फेंक दिया, रिंगनोद पुलिस ने इस मामले में हत्या और साक्ष्य मिटाने का प्रकरण दर्ज किया है। रिंगनोद थाने के कांकरवा गांव में रामगोपाल सुतार के खेत पर कुप है। रामगोपाल का खेत गांव से काफी दूर है और खेत पर बना कुप करीब 90 फीट गहरा है। सोमवार दोपहर को रामगोपाल के पिता दुर्गाशंकर सुतार अपने किसी काम से खेत पर गए थे। उन्होने कुप में एक बोरा तैरता हुआ देखा, जिसमें से दुर्गन्ध आ रही थी। दुर्गाशंकर ने इस बात की सूचना तुरंत अपने पुत्र रामगोपाल को दी, रामगोपाल ने खेत पर पंहुचकर गांव के चौकीदार, सरपंच और पुलिस को भी इस बात की सूचना दी, जिसके बाद मौके पर कई लोगों की भीड जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पंहुचने के बाद बोरे को कुप से निकाला। बोरे का मुंह बन्धा हुआ था, जब इस बोरे को खोला गया तो इसके भीतर से एक व्यक्ति की फूली हुई लाश बरामद हुई। हत्यारों ने बोरे में लाश के साथ पत्थर भी भर दिए थे, जिससे कि बोरा पानी में उपर न आ सके।

हाथ पर गुदे नाम से हुई शिनाख्त

बोरे में से बरामद लाश के दाहिने हाथ पर रामलाल नाम गुदा हुआ था। गांव में पूछताछ करने पर मृतक की शिनाख्त रामलाल पिता नागूजी रायकवार (40) के रुप में हुई। लाश से यह साफप्रतीत हो रहा था कि, मृतक की हत्या की गई है और हत्यारों ने साक्ष्य मिटाने की नीयत से लाश को बोरे में बान्ध कर गांव से दूर स्थित गहरे कुएं में फेंका है। रिंगनोद पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध हत्या और साक्ष्य मिटाने का प्रकरण दर्ज कर खोजबीन प्रारंभ कर दी है।

नशा मुक्ति को लेकर पुलिस ने चलाया जन जागरूकता अभियान

माही की गूंज, आम्बुआ।

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्त दिवस पर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार पुलिस थाना आम्बुआ के थाना प्रभारी योगेंद्र सोजतिया एवं स्टॉप के द्वारा ग्रामीणों के साथ गांव को नशा मुक्त करने के संबंध में जनसंवाद किया गया एवं ग्राम की सभी मोहल्लों में एवं बस स्टैंड चौराहे पर नशे से होने वाले नुकसान के बारे में लिखे हुए पर्चे वितरित किए गए। ग्रामवासियों ने मिलकर नशा मुक्ति आंदोलन को भरपूर सहयोग देकर नशा न करने की शपथ भी ली।

समझाइश व चेतावनी के साथ-साथ ग्रामीणों को बताया कि, घर में शराब पीने वाले व्यक्तियों की वजह से घर का संतुलन खराब हो जाता है। घर एवं समाज का संतुलन बनाए रखने के लिए व्यक्तियों को नशे से दूर रहना चाहिए। इस संबंध में विस्तारपूर्वक समझाया गया और नशे से होने वाली दुष्परिणामों के बारे में भी बताया गया। उपस्थित जनसमूह के साथ व्यापारियों को भी नशे से होने वाले नुकसान के बारे में समझाने के लिए कहा गया।

लाइफसपोर्ट एंबुलेंस सेवा के लिए विधायक पटेल ने की समर्पित

माही की गूंज, अलीराजपुर। जिले में जनता के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना ही प्रमुख लक्ष्य है। जनता की सेवा के लिए कांग्रेस पार्टी और मेरा परिवार सदैव तत्पर है। गत महीनों में कोरोना महामारी की विभिषिका के दौरान जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं और सेवाओं की कमी महसूस की जा रही थी। सोंडवा क्षेत्र में गंभीर मरीजों को इस लाइफसपोर्ट एंबुलेंस की सहायता से त्वरित उपचार के लिए जिले सहित गुजरात या प्रदेश के अन्य बडे शहरो तक पहुंचाने के उद्देश्य से विधायक निधि से 10 लाख रूपए मूल्य की ये सर्वसुविधायुक्त एंबुलेंस जनता की सेवा के लिए समर्पित की जा रही है। उक्त बात विधायक मुकेश पटेल ने सोंडवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाइफसपोर्ट एंबुलेंस के लोकार्पण के दौरान कही।

एंबुलेंस को विधायक पटेल, जिला पंचायत सदस्य बिहारीलाल, भाया सरपंच, मोहन, सरपंच हिंगा, उदयसिंह, बल्ला, अनिल पराड, गिलदार, सुरेश अवास्या, कोठार, राजेंद्र टवली सहित अन्य गणमान्य ग्रामीणों की मौजूदगी में विधायक पटेल ने एंबुलेंस चालक से विधिवत पूजन करवाई। पश्चात एसडीएम देवकीनंदन सिंह, सीएमएचओ डॉ. प्रकाश ढोके, तहसीलदार कैलाश सस्तिया, नायब तहसीलदार कुलभूषण शर्मा, बीईओ रामानुज शर्मा, बीएमओ नितेश भूरिया सहित सभी गणमान्य लोगों ने एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर मरीजों की सेवा के लिए समर्पित किया।

कैबिनेट मंत्री पर कार्रवाई की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

माही की गूंज, आम्बुआ। जयस संगठन द्वारा कैबिनेट मंत्री उषा ठाकुर को मंत्रिमंडल से हटाने हेतु राज्यपाल के नाम आम्बुआ थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया। जयस के युवा मंडल द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि, कैबिनेट मंत्री श्रीमती उषा ठाकुर द्वारा धार जिले के दौरे के समय आदिवासी युवाओं द्वारा गुजरी नदी में विषैला पदार्थ छोड़े जाने से जीव जंतुओं के मरने की घटना पर ध्यान आकर्षित किए जाने पर उन्हें कार्रवाई का आश्वासन देने की बजाय, आदिवासी समाज को अपमान भरे शब्द कहे गए, जिससे संपूर्ण आदिवासी समाज अपमानित हुआ है। जयस के आम्बुआ मंडल द्वारा राज्यपाल के नाम सौंपे ज्ञापन में कैबिनेट मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की गई है। साथ ही यह भी कहा गया कि, यदि कार्रवाई नहीं होती है तो जयस आंदोलन करेगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन-प्रशासन की रहेगी।

वर्षा की खेंच से कृषक परेशान तेज बारिश की दरकार

माही की गूंज, आम्बुआ। आम्बुआ तथा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र में कृषक तेज बारिश का इंतजार कर रहे हैं, हल्की बूंदाबांदी के बाद तैयार पड़े खेतों में कई कृषको ने बुवाई कर दी तो अनेक कृषक अभी अच्छी वर्षा की उम्मीद में बुवाई नहीं कर रहे हैं।

क्षेत्र में जून माह के प्रथम सप्ताह में बारिश हुई, जिसके बाद कृषकों ने खेत तैयार कर खाद-बीज खरीद कर घरों में रख दिए, इसके बाद कभी-कभी हल्की बारिश होती रही। आगामी दिनों में अच्छी बारिश की उम्मीद में कई कृषको ने खेतों में सोयाबीन, उड़द, मूंगफली की बुवाई कर दी, तो कई कृषक तेज वर्षा की उम्मीद की आस लगाए इंतजार कर रहे हैं। जिन्होंने खेतों में बुवाई कर दी है वे बीज खराब होने की आशंका में परेशान है, जिन्होंने नहीं की है वे फसल पिछड़ जाने की आशंका में चिंतित दिखाई दे रहे हैं। बारिश की खेंच होती है तो जिन्होंने बुवाई की है उनके खाद-बीज के साथ ही मेहनत बेकार हो जाएगी तथा उन्हें दुबारा खाद-बीज का इंतजाम करना पड़ सकता है। जिस कारण ऐसे कृषको को दोहरी मार पड़ सकती है।

पूर्व नप अध्यक्ष से की थी रोड़ निर्माण की मांग पुरी की वर्तमान अध्यक्ष ने

माही की गूंज, थांदला। नगर के वार्ड क्र. 9 में पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष से नवीन रोड़ निर्माण की मांग की थी, किन्तु आश्वासन ही मिला था, जिसके बाद विवादों के चलते निर्माण नही हो पाया था। इस बार पुनः नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर से इस संबंध में वार्डवासियों द्वारा मांग की गई तो वहां के रहवासियों से अध्यक्ष द्वारा रोड़ निर्ताण का वादा किया था, जो अब पूरा होते नजर आ रहा है। जब नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर वार्ड क्र. 9 में निर्माणाधीन रोड पर पहुचे तो वहाँ के रहवासियों द्वारा खुशी जाहिर की गई और कहा कि, हमारी वर्षो से मांग थी जो अब पूर्ण हुई है। इसी विषय पर जब बंटी डामोर से चर्चा की गई तो बताया गया कि, नगर में मुख्य मार्ग से हटकर कुछ स्थान ऐसे है जहाँ सुविधाओ का अभाव है, मैं इसी तरह अपने कर्मचारियों के साथ प्रतिदिन भ्रमण कर ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान देना चाहता हुं, जो बहुत समय से परेशानी का सामना कर रहे है, ऐसे समस्त छोटे-छोटे स्थानों पर हो रही असुविधाओं का तत्काल निराकरण किया जाएगा।

भक्तों ने स्वयं के खर्च से करवाया हैंडपंप खनन

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ से लगभग 3 किलोमीटर दूर झाबुआ-अलीराजपुर मार्ग पर आदिवासी समाज का आस्था के केंद्र कहे जाने वाले बाबा भीलवट देव स्थल प्रागण मे भक्तों ने अपने निजी खर्चे पर पेयजल हेतु हैंड पंप खनन कराया, जिससे बाबा के भक्तों व ग्रामीणो में हर्ष व्याप्त है। हमारे संवाददाता को पूर्व जनपद सदस्य रमेश रावत पटेल ने बताया कि, हमारे समाज के आराध्य देव बाबा भिलवट के दरबार में वर्ष भर श्रद्धालु एवं भक्तों पूजा अर्चना करने आते हैं तथा दीपावली के बाद छोटी दीपावली पर यहां एक विशाल सार्वजनिक रात्रि कालीन मेले का आयोजन भी होता है, जिसमें हजारों भक्त की संख्या में भक्तों एवं आदिवासी समाज के साथ-साथ अन्य समाज जन भी आते हैं। जहां पर मनौती उतारने वाले नंगे पांव दहकते अंगारों पर चलते हैं, जिसे देखने के लिए प्रदेश स्तर से लोग आते हैं यहां हैंड पंप खराब होने के कारण कई बार नवीन हैंडपंप की मांग प्रशासन से की गई मगर कोई सुनवाई नहीं होने पर, बाबा के भक्तों की परेशानी देखते हुए उन्होंने अपने निजी खर्चे पर हैंडपंप खनन करवाया। ताकि दर्शन के लिए आने वालों को पेयजल मिल सके, हैंड पंप खनन होने से बाबा भिलट के सभी भक्तों में हर्ष व्याप्त है और आम्बुआ की ग्रामीण जनता ने रमेश रावत पटेल का आभार माना।

निःशुल्क ड्रायविंग प्रशिक्षण आवेदन की अंतिम तिथी बढ़ाई गई

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) झाबुआ के माध्यम से हल्के वाहन चालन का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक दृष्टि से कमजोर एव कोविड प्रभावित परिवारो की महिलाओं को उक्त प्रशिक्षण चयन में प्राथमिक्ता दी जाएगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 दिवस का होगा, जिसमें 155 घण्टों का व्यावहारिक प्रशिक्षण (थ्योरी और प्रायोगिक) सम्मिलित होगा। प्रशिक्षित महिलाओं को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रमाण पत्र के साथ ही परिवहन विभाग द्वारा नियमानुसार ड्रायविंग लायसेंस प्रदान किया जाएगा।प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को निःशुल्क भोजन की व्यवस्था एवं सांयकाल में चाय की व्यवस्था रहेगी। छात्राओ को कोविड 19 के दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। 18 वर्ष या इससे अधिक उम्र वाली इच्छुक महिलाएं आवेदन फार्म मध्य प्रदेश शासन, परिवहन विभाग की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते है।

पोषण आहार का किया वितरण

माही की गूंज, झाबुआ। ब्लॉक रामा के ग्राम बाकी में 25 महिलाओं को पोषण आहार एकता परिषद जन संगठन के माध्यम से वितरण किया गया। कोरोना महामारी में पूरे आंगनवाड़ी में कुपोषण बच्चों गर्भवती महिला व धात्री महिलाओं को आंगनवाड़ी से कुछ भी राशन उपलब्ध नहीं हो पाया। एकता परिषद जन संगठन के माध्यम से पूरे 300 कुपोषण बच्चों और 300 धात्री महिलाओं राशन देने की संगठन बात कर रहा है। पूरे रामा ब्लॉक की 20 गांव में यह राशन वितरण किया जाएगा। इस मीटिंग में जिला समन्वयक का दुर्गा पंवार ने कहा कि यह बहुत कम मदद है, जो हम कर रहे हैं। आगे भी गरीबों को जो कि पलायन जाते हैं और उनके जीवन जीने का संसाधन कुछ भी नहीं, उन्हें भी हम संगठन की ओर से खाद्य सामग्री विचरण करने वाला काम करेंगे। सामान वितरण करते समय बाकी के मुखिया मखना भाई, एकता एकता परिषद के मुख्य बहादुर भाई और महिला मुखिया भी शामिल रही।

बाहरी और बागी के विरोध के बीच कहीं नया प्रत्याशी घोषित न हो जाए

मामलाः जोबट विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेसी प्रत्याशी चयन का

माही की गूंज, आम्बुआ। मयंक विश्वकर्मा

जोबट विधानसभा सीट यहां की लोकप्रिय रही विधायक सुश्री कलावती भूरिया के निधन से रिक्त हुई होने के कारण आगामी समय में यहां उपचुनाव होना है, जिसकी तैयारी शासन-प्रशासन स्तर से लेकर राजनीतिक स्तर पर की जा रही है। कांग्रेस पार्टी की रही यह विधानसभा कांग्रेस पुनः अपनी बनाने के लिए जुटी है, मगर प्रत्याशी का फैसला होता उसके पूर्व ही यहां बाहरी तथा बागी के साथ-साथ स्थानीय यानी कि, जोबट ब्लॉक से ही प्रत्याशी की मांग जोर पकड़ने में लगी है। यदि इस खींचतान के बीच कोई नया प्रत्याशी जो कि, न बागी हो न बाहरी हो मगर जोबट विधानसभा क्षेत्र का जरूर हो अचानक पार्टी ने उतार दिया तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। ऐसे प्रत्याशी के लिए शायद विरोध करने वाले भी विरोध न कर सके।

राजनीति में कोई सगा नहीं होता है, एक ही परिवार में कई सदस्य विभिन्न राजनीतिक दलों में रहते हुए एक ही मकान रहते देखे गए हैं। परिवारवाद की छाया भी लगभग सभी दलों में देखी जा सकती है, इसी स्थिति में आदिवासी बाहुल्य जिले झाबुआ तथा अलीराजपुर भी अछूते नहीं रहे है। सब चाहते हैं कि, अपनों का ही राज हो अपने ही आगे बढ़े, इसी के कारण कई अच्छे तथा कर्तव्यनिष्ठ जमीन से जुड़े कार्यकर्ता अपनी महत्वकांक्षा लिए या तो दरी बिछाते या कुर्सियां उठाते दिख जाएंगे। कभी कभार अपने आपको उपेक्षित समझते हुए किसी अन्य पार्टी का दामन थाम लेते हैं, जहां पर उन्हें सम्मान के साथ कुर्सी तथा पद भी मिल जाया करते हैं। ऐसी ही आकांक्षा इन दिनों कांग्रेस के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता जोबट विधानसभा क्षेत्र में पाले बैठे हैं, जिन्होंने आगामी विधानसभा उप चुनाव हेतु अपनी दावेदारिया ठोकना प्रारंभ कर दी है। उन्हें लगता है कि, पिछले चुनाव की तरह इस बार भी कहीं बहार से या पार्टी में विगत चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ बागी (निर्दलीय) रहे को प्रत्याशी घोषित कर दिया जाए।

इसी आशंका के चलते जोबट ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तथा अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक बैठक कर यह बताने का प्रयास किया कि, कांग्रेस पार्टी जोबट विधानसभा हेतु प्रत्याशी का चयन जोबट ब्लॉक के किसी कार्यकर्ता पर ध्यान दें। हालांकि यह बात किसी के गले नहीं उतरेगी कि, जोबट ब्लॉक से ही क्यों अन्य ब्लॉक आजाद नगर, कट्ठीवाड़ा, उदयगढ़, अलीराजपुर का जोबट विधानसभा सीट की जीत में क्या कोई योगदान नहीं रहता आया है, जोबट ब्लॉक का ही प्रत्याशी होने के बजाए जोबट विधानसभा का प्रत्याशी हो, ऐसी मांग हो तो शायद पूरी विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ता इसका स्वागत करते। अभी प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया भी प्रारंभ नहीं हुई है, ऐसे में कार्यकर्ताओं के यह तेवर क्या गुल खिलाते है भविष्य बताएगा।

कांग्रेस पार्टी में चल रहे प्रत्याशी चयन के घमासान के बीच हमारे संवाददाता को एक कांग्रेस पदाधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया गया कि, बाहरी और बागी के विरोध के बीच यदि कोई ऐसा प्रत्याशी जो कि, विधानसभा क्षेत्र का हो शिक्षित हो तथा उसकी राजनीति पृष्ठभूमि भले ही न हो मगर राज्य के प्रशासनिक सेवा में वह विगत वर्षों से एक ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी की भूमिका निभाता आ रहा है तथा अभी उनके सेवानिवृत्त का कुछ माह का कार्यकाल शेष हो, को यदि पार्टी कभी प्रत्याशी घोषित कर दे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। एसे प्रत्याशी के आ जाने से बाहरी तथा बागी यदि पार्टी में रहे तो वह भी उसका विरोध न कर उसे जिताने में जुट जाएंगे। ऐसे ही एक और उम्मीदवार की राजनीतिक हलके में अभी भले ही चर्चा न हो मगर जानकारों का मानना है कि, पार्टी में आपसी खींचतान मिटाने हेतु ऐसा हो सकता है।

गूंज प्रतिनिधि की जब ऐसे संभावित प्रत्याशी से चर्चा हुई तो कुछ न नुकर के बाद मुस्कुराते हुए यह जरूर कह दिया कि, यदि पार्टी विश्वास व्यक्त करती है तो सोचा जा सकता है। उसकी मुस्कुराहट में आत्मविश्वास की झलक जरूर दिखी देखते हैं कि, जोबट विधानसभा उप चुनाव हेतु मची कांग्रेश की धमाचौकड़ी के बीच ऊंट किस करवट बेठता है।

आखिर क्यों नहीं किया मामला उजागर...?

शराब माफिया अलकेश बाकलिया के गुर्गे शंकर ने पकड़ी शराब, पुलिस ने किया मामला दर्ज

माही की गूंज, झाबुआ।

पुलिस व शराब माफियाओं की किस तरह की आपसी सांठ-गांठ है यह सोमवार-मंगलवार की रात्रि में एक बार फिर सामने आया। माही की गूंज सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार शराब माफिया अलकेश बाकलिया की ऐसी दबंगई है जो उसके व उसके गुर्गे के इशारों पर पुलिस अपना जमीर मासिक गांधी छाप लिफाफो के साथ इस तरह से बेच चुकी है कि, यह माफिया जो कहे व जो करें वही मान्य कर पुलिस अपनी कार्रवाई इन शराब माफियाओं के संरक्षण में करती है।

जानकारीनुसार देवझिरी के पास एक खुले खेत में क्षेत्र में शराब माफिया व पुलिस के आपसी तालमेल के साथ उनके ही संरक्षण से अवैध शराब विक्रय करने वाले शराब एजेंट क्षेत्र से बाहर की शराब लाकर शराब को बेचने हेतु अपने ठीये पर ले जाने हेतु खुल्ले खेत में शराब उतारकर वहां से ले जाने की कोशिश कर रहे थे कि, देवझिरी क्षेत्र में खुल्ले खेत में बाहर से शराब लाकर खाली कर वहां से अलग-अलग स्थानों पर शराब ठेकेदार के एजेंटों द्वारा ही सप्लाई की जाएगी कि सूचना झाबुआ शराब माफिया उर्फ ठेकेदार को लगी, जो शराब ठेकेदार को रास नहीं आया। शराब ठेकेदार उर्फ माफिया संचालक अलकेश बाकलिया व मुकेश नायक ने अपने एरिया मैनेजर शंकर नायक निवासी रंभापुरी को कंपनी के अन्य साथियों के साथ जाकर मामले को देखने व शराब को पकड़ने के निर्देश दिए। गुर्गे शंकर एवं साथियों ने अपने आका शराब माफिया अलकेश व मुकेश के निर्देश पर बिना पुलिस व आबकारी को सूचना दिए, अपने आपको वे कानून के रखवाले व कानून के कर्ता-धर्ता जो कि अदृश्य रूप से

जिले की पुलिस व आबकारी विभाग ने अनअधिकृत रूप से प्रति माह गांधी छाप के मोटे लिफाफे लेकर नियुक्त कर रखा है, के गुर्गे शंकर नायक कंपनी के अन्य साथियों के साथ तीन, चार पहिया वाहन से उनके मुखबिर अनुसार मिली जानकारी पर देवझिरी के खुल्ले खेत में उत्तरी शराब स्थान तक मौके पर पहुंच गए। रात्रि करीब सवा 12 बजे दूर से एक से अधिक वाहन आते हुए देख शराब के एजेंट पुलिस महकमे के आने का अंदेशा कर मौके पर एक खाली वाहन ओमनी कार छोड़कर भाग निकले। मौके पर जानकारी अनुसार 100 पेटी अवैध शराब माउंट बियर खाली हुई थी जिसमें से खुल्ले खेत में 50 माउंट बियर अवैध शराब की पेटियां बची हुई थी को माफिया के गुर्गे उर्फ एरिया मैनेजर शंकर नायक ने कंपनी की सफेद बोलेरो जीप में लोड की व लाइट के उजाले में एक शराब एजेंट का नौकर गोलू दिखाई दिया, जिसे गाड़ी में बिठाने के साथ वहां खड़ी एक ओमनी कार को लेकर देर रात्रि में पुलिस थाना झाबुआ पहुंचे। शराब माफियाओं की खाने वाले पुलिस अधिकारी ने शराब माफिया उर्फ ठेकेदार की बोलेरो जीप से शराब खाली करवाकर माफिया के गुर्गे ने गोलू नाम के युवक को पुलिस के सुपुर्द किया और गुर्गे ने ही खाली ओमनी कार के वाहन मालिक का नाम बताया उसी आधार पर पुलिस ने ओमनी कार में जप्त शराब बताकर मामला दर्ज कर लिया।

पुलिस ने क्यों नहीं किया मामला उजागर ?

पुलिस अगर 5 लीटर से 10 लीटर भी विदेशी या फिर कच्ची शराब भी अपनी खानापूर्ति के लिए भी प्रकरण बनाती है तो वह अपनी वाहवाही लुटने के साथ शराब प्रकरण के मामले को मीडिया के माध्यम से उजागर करती है, लेकिन सोमवार-मंगलवार की रात में गुर्गों के द्वारा पकड़ी गई शराब का बनाया गया प्रकरण को सार्वजनिक नहीं किया जो भी पुलिस व माफियाओ कि अपनी सांठ-गांठ दर्शा रही है।

उक्त मामले में माही की गूंज ने कोतवाली झाबुआ में जानकारी ली तो, एक पुलिसकर्मी ने उक्त मामले की जानकारी माही की गूंज तक कैसे पहुंची आश्चर्यचकित होकर अन्य पुलिसकर्मी को जानकारी देने हेतु मोबाइल थमा दिया, अन्य पुलिसकर्मी ने सर्वप्रथम जानकारी मांगने पर कहा, हां मामला हुआ है, जिसकी अभी पुलिस विवेचना कर रही है। मामला दर्ज हुआ या नहीं उक्त मामले में ? हां मामला दर्ज हो गया है। किन-किन के नाम से मामला दर्ज हुआ व कहां से शराब जप्त की ? जिसके बाद जाकर पुलिसकर्मी ने जानकारी दी कि, थाने में पुलिस डायरी नहीं है पर गोलू जिसके पिता का नाम मुझे नहीं मालूम है निवासी देवझिरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, वही कालीदेवी निवासी मनोज नाम का युवक मामले में फरार है। ओमनी कार में 20 पेटी माउंट बियर की अवैध पेटिया देवझिरी के पास से जप्त की।

नाबालिग को डाला जेल में

गूंज सुत्र अनुसार पुलिस ने शराब माफियाओं के गुर्गो द्वारा पकडी गई शराब के साथ मोके से आधार कार्ड अनुसार एक 16 वर्षिय नाबालिग गोलु को पकडकर ले आई गोलु को जिसे गुर्गों ने शराब के साथ पुलिस को सुपुर्द कर दिया और पुलिस ने बालिग मानकर मामला दर्ज कर बाल सुधार गृह के बजाए न्यायालय में पेश कर जेल में भेज दिया। वही बताया जा रहा है कि, पुलिस ने अपनी खानापुर्ती के लिए गोलु की उम्र का मेडिकल करवाया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष की प्रताड़ना को लेकर महिला न्याय के लिए पहुंची गृह मंत्री के पास, दी आत्महत्या की धमकी

चार माह से जांच के नाम पर गुमराह कर रही पुलिस

पीड़ित महिला ने भाजपा जिलाध्यक्ष नायक के कारनामों कि की शिकायत।

महिला ने पत्रकारों से मुखातीब होकर कहा भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया उत्पिड़न पर उसके विरूद्ध पुलिस नहीं कर रही कोई कार्रवाई।

माही की गूंज, झाबुआ।

भाजपा जिलाध्यक्ष से जुड़े विवाद और शिकायते रुकने का नाम नही ले रही है, जिससे न केवल स्थानीय नेताओं बल्कि प्रदेश संगठन और मंत्रियों तक को झाबुआ आने पर कड़े सवालों से जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के कारण घिरना पड़ रहा है।

बुधवार को पुलिस लाइन में लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे ग्रहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के पास पीड़ित महिला ने सर्किट हाउस पहुंचकर अपनी आप बीती सुनाते हुए जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के खिलाफ शिकायत करते हुए फिर से लक्ष्मण सिंह नायक पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए, साथ ही महिला ने पिछले चार माह से पुलिस जांच के नाम पर परेशान करने के भी आरोप लगाए। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने महिला को जाँचकर कार्रवाई करवाने के लिए आश्वसत किया। पीड़ित महिला ने गृहमंत्री के सामने आत्महत्या करने की धमकी तक दे डाली। चार माह बाद महिला के अचानक फिर से सामने आने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक हलचले तेज़ हो गई है।

पुलिस कर रही गुमराह, न्यायालय के लिए मांगे प्रमाणित दस्तावेज नही दिए

महिला के द्वारा लगाए गए जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक पर योन उत्पीड़न के मामले में पुलिस द्वारा जांच के नाम पर अब तक फरियादी महिला को गुमराह किया जा रहा है। पुलिस द्वारा लिखित में जो पीड़ित महिला को दिया जा रहा है वो बहुत चौकाने वाला है, हर पटल पर पुलिस द्वारा अलग-अलग जानकारी दी जा रही है। एक और पुलिस ने सीएम हेल्पलाइन पर निराकरण करना बता दिया, तो दूसरी ओर मामला लेवल फोर तक चला गया। महिला को पुलिस से न्याय नही मिलने पर न्यायालय में जाने की तैयारी के लिए प्रमाणित दस्तावेज और पुलिस में दर्ज बयानों की प्रति के लिए एसडीओपी कार्यालय में सूचना के अधिकार अधिनियम के माध्यम से जानकारी चाही गई, जिसके जवाब में एसडीओपी कार्यालय से 10 .मार्च को लिखित में जवाब दिया गया कि, मामले की जांच कर 14 फरवरी को पूरी जांच एसपी ऑफिस भेज दी गई है। महिला ने जब जानकारी एसपी कार्यालय से मांगी तो 23 अप्रेल को महिला को जवाब मिला कि, उक्त मामले की जांच एसडीओपी कार्यालय में चल रही है और जांच पूर्ण होने पर जानकारी दी जाएगी। एसपी और एसडीओपी कार्यालय से मिले पत्र और दी जा रही अलग-अलग जानकारी से साफ होता हे कि, मामले को राजनीतिक स्तर पर सत्ता के दबाव में दबाया जा रहा है। महिला व उसके पति ने बताया कि, अगर पुलिस कार्रवाई नही करती है तो लिखित में दे दे, हम न्याय के लिए न्यायालय की शरण जाएंगे।

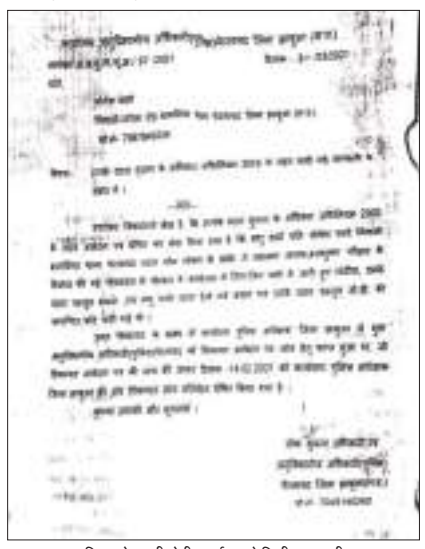

महिला को एसडीओपी कार्यालय से मिली जानकारी।

एसपी कार्यालय से महिला को मिली जानकारी।

पिता के पदचिन्हों पर आगे बढ़ रहे दुर्गादास मोटापाला

भाजपा जिला मंत्री बनने के बाद मिल रहा अपार समर्थन, जगह -जगह हो रहा स्वागत

पेटलावद। झाबुआ जिले की राजनीतिक में पेटलावद का बहुत बड़ा महत्व रहा है, यहां तक कहा जाता है कि भाजपा में जिले की राजनीति का केंद्र बिंदु पेटलावद ही रहा है और इसलिए पेटलावद से बाबूलाल गामड़ जैसा आदिवासी नेता तो सुरेंद्र सिंह मोटापाला, अनोखीलाल मेहता जैसे कई सम्मान्य नेता पेटलावद ने भाजपा को दिए, साथ ही इस कड़ी में कई और नेता लगातार आगे बढ़ रहे हैं। वर्षो के बाद बदली भाजपा की जिलाकार्यकर्णी में पेटलावद विकास खण्ड ने कई पद और जिला सदस्य को स्थान मिला है। बात करे भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह मोटापाला की तो, जिन्होंने अपना पूरा जीवन निःस्वार्थ भाजपा पर समर्पण कर दिया। आदिवासी क्षेत्र में खासी पकड़ रखने वाले सुरेंद्र सिंह मोटापाला के पुत्र दुर्गादास मोटापाला को जिलाकार्यकर्णी में जिला मंत्री बनाए जाने के बाद से क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं से उनको मिल रहे अपार जन समर्थन और स्वागत से ही पता चलता है कि, मोटापाला परिवार ने राजनीति धन कमाने की नही बल्कि यश कमाकर भाजपा का नाम बढ़ाने के लिए की है।

दुर्गादास मोटापाला को मिल रहा अपार समर्थन, हो रहा स्वागत

जिला कार्यकारिणी की घोषणा होते ही विवादों में घेरे में चली गई, बाहरी और आयतितो सहित बड़े व्यापारियों को बिना किसी कार्य व उपलब्धी के जिले मे संगठन के महत्वपूर्ण पद दे दिए गए। कार्यकारिणी के गठन को लगभग 15 दिन होने को हैं और भाजपा में ही कई मोर्चो से विरोध हो रहा है। आलम ये है कि, जिले के कई नए पदाधिकारीयो का कार्यकर्ताओ ने सम्मान और स्वागत तक नही किया, तो कुछ को उनके गांव के कार्यकर्ताओं ने इस लायक भी नही समझा, ऐसे में जिला मंत्री पद पर नियुक्त किए गए सुरेंद्र सिंह मोटापाला के पुत्र दुर्गादास मोटापाला ने पार्टी में उठ रहे विरोध के बीच कार्यकर्ताओ का अपार समर्थन मिल रहा है। जिला मंत्री नियुक्त होने के लगभग 12 दिन बाद भी मोटापाला का जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है, दुर्गादास मोटापाला का बरवेट, बामनिया, रायपुरिया, कुड़वास, टांडा, पेटलावद नगर आदि सहित ग्रामीण अंचल में जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है और कई ग्राम पंचायतों के कार्यकर्ता उनके स्वागत की तैयारी में जुटे हैं। हिन्दू महासभा, नमो-नमो मोर्चा, मीना सामज़, बंजारा समाज, संगठन और पत्रकारो की और से मोटापाला का स्वागत किया गया है। अपने पिता की तरह ही संघ से लेकर संगठन तक कई पदों पर रहकर कार्य करने वाले दुर्गादास मोटापाला भी अपने पिता की तरह राजनीति को पैसा कमाने के लिए नही बल्कि सेवा के लिए करते रहे हैं, अपने क्षेत्र के ग्रामीणों के हक की लड़ाई लड़ते रहे हैं जो कि क्षेत्र में हो रहे उनके लगातार स्वागत की बेला में देखा जा रहा है। जिला मंत्री दुर्गादास मोटापाला ने माही की गूंज से चर्चा में बताया कि, मैरे पिता के राजनीतिक जीवन मे कोई दाग या आरोप नही है और उन्ही के आशीर्वाद से अब उनके नक्शे कदम पर चलकर मिली जवाबदारी को ईमानदारी से निभाउंगा, पद की लालसा कभी नही रही है और राजनीति से सेवा करना मेरा मूल उद्देश्य रहेगा। जगह-जगह मिल रहे समर्थन और स्वागत पर जिला मंत्री का कहना है कि, यही मोटापाला परिवार की कमाई हुई पूंजी है जो कार्यकर्ताओ के प्रेम के रूप में नजर आ रही है। जिला कार्यकारिणी में उठ रहे सवाल के बारे में जिला मंत्री ने कुछ कहने से मना करते हुए कहा कि, पार्टी जो निर्णय लेती हैं उसके साथ रहना ही है, साथ ही जिलाध्यक्ष पर लग रहे आरोपो पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422